मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 119
सोमवार, 11 नवम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

अपनी तिजोरियां भरने में मस्त हैं कांग्रेस और झामुमो: पीएम मोदी

रांची, 10 नवम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को झारखंड के रांची में रोड शो किया। इससे पहले उन्होंने गुमला में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। गुमला में पीएम मोदी ने कांग्रेस पर एसटी, एससी और ओबीसी की एकता को तोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत गठबंधन पर खनिज, जंगल, रेत और कोयले जैसे राज्य के समृद्ध संसाधनों को लूटने का आरोप लगाया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'कांग्रेस जानती है कि यदि अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग एक हो गए तो वे पार्टी के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा कर देंगे। यही कारण है कि कांग्रेस का शाही परिवार उनकी एकता तोड़ने पर आमादा है, वे आरक्षण छीनना चाहते हैं।' उन्होंने कहा, 'कांग्रेस एक आदिवासी समुदाय को दूसरे के खिलाफ खड़ा करने की कोशिश कर रही है। आदिवासी समाज की ताकत को तोड़ने के एजेंडे के साथ वह उरांव के खिलाफ मुंडा, खारिया के खिलाफ लोहरा, कोरवा के खिलाफ खरवार आदि को लड़ा रही हैं।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस उच्च पदों पर आदिवासियों को बर्दाश्त नहीं कर सकती, यही कारण है कि उसने राष्ट्रपति पद पर द्रौपदी मुर्मू का विरोध किया और उनका अपमान करना जारी रखे हुए है। उन्होंने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन का भी उल्लेख किया और कहा कि सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा ने इस आदिवासी नेता का अपमान किया।

पीएम मोदी ने दावा किया कि इससे ह्यरोटी, माटी और बेटी पर गंभीर खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने सत्तारूढ़ सरकार पर घुसपैठियों को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। झामुमो नीत सरकार पर झारखंड की जमीन, नदियां और पहाड़ बेचकर रेत की तस्करी कर करोड़ों रुपये कमाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, 'जिन लोगों ने जनता का पैसा लूटा है वे अपना जीवन जेल में बिताएंगे, उन्हें पैसा लौटाना होगा।' उन्होंने आरोप लगाया कि गठबंधन के नेता न केवल संसाधनों को लूट रहे हैं, बल्कि जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने के लिए रिश्वत भी ले रहे हैं। मोदी ने कहा कि ऐसे लोगों को सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि तीन करोड़ महिलाओं को ह्यलखपति दीदीह्ल बनाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि रागी की खेती को बढ़ावा दिया जाएगा और यह झारखंड के किसानों के लिए अवसर और समृद्धि लाएगा। उन्होंने कहा, 'यह मोदी की गारंटी है कि भाजपा के घोषणापत्र में गोगो दीदी योजना (हर महीने महिलाओं को 2,100 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने का) सहित सभी वादों को पूरा किया जाएगा।

उन्होंने कहा, 'झारखंड के आने वाले 25 सालों के लिए अगले पांच साल बहुत महत्वपूर्ण हैं। आपका एक वोट राज्य को विकसित बनाने में योगदान देगा।' झारखंड में विधानसभा चुनाव के तहत 13 और 20 नवंबर को मतदान होगा जबकि मतों की गिनती 23 नवंबर को की जाएगी।

सपा के पीडीए का मतलब दंगाइयों और अपराधियों का प्रोडक्शन हाउस: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 10 नवम्बर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) की नई परिदेते हुए इसे दंगाइयों और अपराधियों का प्रोडक्शन हाउस करार दिया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने साल 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान पीडीए का नारा दिया था। पार्टी ने पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग को सम्बोधित इस नारे का इस्तेमाल इस साल सम्पन्न संसदीय चुनाव में भी किया था, जिसमें उसने लोकसभा चुनाव में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 37 सीट जीती थीं।

आदित्यनाथ ने आम्बेडकर नगर जिले की कटेहरी विधानसभा सीट पर आगामी 20 नवंबर को होने वाले उपचुनाव के

सिलसिले में आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, सपा पीडीए की बात करती है, लेकिन आपको बता दें कि उनका पीडीए क्या है।

यह दंगाइयों और अपराधियों का प्रोडक्शन हाउस है। मैं आपको यह नई परिदे रहा हूं। उन्होंने कहा कि किसी भी बड़े अपराधी, माफिया या दंगाई को याद रखें। वे सपा के प्रोडक्शन हाउस से ही निकलें हैं। मुख्यमंत्री ने महिला सुरक्षा को लेकर भी सपा पर हमले किये।

कांग्रेस को झटका, पांच बार के विधायक मतीन अहमद आप पार्टी में शामिल

नई दिल्ली, 10 नवम्बर। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी को एक बड़ा झटका देते हुए पांच बार के विधायक मतीन अहमद आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। मतीन अहमद रविवार को अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में आप में शामिल हुए। बता दें, मतीन अहमद से पहले उनके बेटे-बहु आम आदमी पार्टी का दामन थाम चुके हैं।

मतीन अहमद को पार्टी में शामिल करने के दौरान का एक वीडियो अरविंद केजरीवाल ने अपने एक्स हैंडल पर साझा किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'यमुना पार क्षेत्र में चौधरी मतीन अहमद जी जनता के बीच रहकर उनकी सेवा करते आए हैं। चौधरी

साहब का आम आदमी पार्टी परिवार में स्वागत है।'

यमुना पार क्षेत्र में चौधरी मतीन अहमद जी जनता के बीच रहकर उनकी सेवा करते आए हैं। चौधरी साहब का आम आदमी पार्टी परिवार में स्वागत है। मतीन अहमद के आप में शामिल होने से ठीक पहले पार्टी को एक झटका लग चुका है। पार्टी के सीनियर नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री रह चुके सरदार हरशरण सिंह बल्ली रविवार को भाजपा में शामिल हुए। बल्ली के साथ उनके बेटे सरदार गुरमीत सिंह रिंकू बल्ली भी भाजपा में शामिल हुए। गुरमीत सिंह रिंकू आम आदमी पार्टी के युवा चेहरे थे।

मोदी जी सिर्फ बड़े-बड़े भाषण देते हैं, करते कुछ नहीं: राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि देश में विचारधाराओं की लड़ाई चल रही है। उन्होंने कहा कि एक ओर इंडिया गुट है जो प्रेम, एकता और संविधान की रक्षा के लिए खड़ा है और दूसरी ओर भाजपा-आरएसएस लोग हैं जो विभाजित करने की कोशिश कर रह रहे है। आज यहां एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने लोगों से झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन को सत्ता में वापस लाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी संविधान की रक्षा के लिए काम करते रहेंगे।

राहुल ने कहा कि एक बार मैंने देखा कि नरेंद्र मोदी तार के पीछे खड़े गरीब बच्चों से झिझककर मिले रहे थे। हिंदुस्तान

के प्रधानमंत्री गरीबों, किसानों, दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों के पास जाते ही नहीं हैं। वो कभी किसी गरीब के यहां शादी में नहीं गए, लेकिन अंबानी की शादी में चले गए। इससे पता चलता है किः वो आपके नहीं हैं, वो उनके हैं। उन्होंने कहा कि आज सच्चाई यह है कि हिंदुस्तान में युवा और महिलाएं दुखी हैं। मोदी जी सिर्फ बड़े-बड़े भाषण करते हैं, करते कुछ नहीं है। जब देश में महंगाई बढ़ती है तो सबसे ज्यादा चोट हमारी माताओं-बहनों को लगती है। नरेंद्र मोदी ने हर चीज पर GST जोड़ दिया है। टैक्स का पूरा ढांचा देश के गरीब लोगों से पैसा लेने का तरीका है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि देश में करीब 50% OBC, 15% दलित, 8% आदिवासी और 15% अल्पसंख्यक वर्ग के लोग हैं। लेकिन आपको देश की बड़ी-बड़ी कंपनियों के मैनेजमेंट में OBC, दलित और आदिवासी वर्ग का व्यक्ति नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि हम आपको 'आदिवासी' कहते हैं, लेकिन BJP आपको 'वनवासी' कहती है। आदिवासी का मतलब होता है- देश का पहला मालिक। वहीं वनवासी का मतलब है कि देश में आपका कोई अधिकार नहीं है। वह धीरे-धीरे आपके जंगल आपसे छीन रहे हैं। लेकिन हम चाहते हैं कि जल, जंगल, जमीन पर आपका पहला अधिकार है, उसका फायदा आपको मिलना चाहिए। राहुल गांधी ने चुनौती देते हुए कहा कि मैंने मोदी जी से साफ कह दिया है- आप जातिगत जनगणना को रोक नहीं सकते हैं। हम इसी संसद में जातिगत जनगणना को पास करके दिखाएंगे और आरक्षण में 50% की दीवार को तोड़ देंगे। झारखंड में हम आदिवासियों को 28%, दलितों को 12% और पिछड़े वर्ग को 27% आरक्षण देंगे। उन्होंने कहा कि देश में दो विचारधाराओं की लड़ाई है। एक तरफ INDIA गठबंधन और दूसरी तरफ BJP और RSS है। एक तरफ मोहब्बत, एकता, भाईचारा है तो दूसरी तरफ नफरत, हिंसा, क्रोध और अहंकार है। INDIA गठबंधन संविधान की रक्षा करने की बात कहता है।जबकि बीजेपी-आरएसएस संविधान को खत्म करना चाहती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि हमने कन्याकुमारी से कश्मीर तक 'भारत जोड़ो यात्रा' की, जिसका मकसद हिंदुस्तान को जोड़ना था।

किश्तवाड़ मुठभेड़ में एक जवान शहीद, तीन घायल

किश्तवाड़, 10 नवम्बर। पिछले 24 घंटे जम्मू और कश्मीर के तीन इलाकों में आतंकवादियों और सेना के बीच मुठभेड़ हुई। पहली मुठभेड़ श्रीनगर, दूसरी किश्तवाड़ और तीसरी सोपेरा में हुई। किश्तवाड़ में हुई मुठभेड़ में सेना के चार जवान घायल हो गए, जिसमें से एक शहीद हो गया है। शहीद हुए सैनिक की पहचान 2 पैरा के नायब सूबेदार राकेश कुमार के तौर पर हुई है। सेना ने उनके सर्वोच्च बलिदान को सलाम किया है। इसके अलावा सोपेरा में सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार दिया है।

श्रीनगर के बाहरी इलाके में जबरवान वन क्षेत्र में दो-तीन आतंकवादियों के होने की अपडेट मिलने के बाद सेना ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इस दौरान सुरक्षाबलों और

आतंकवादियों के बीच गोलीबारी हुई। अधिकारियों ने बताया कि यह मुठभेड़ सुबह करीब नौ बजे शुरू हुई थी। हालांकि, अब बताया जा रहा है कि आतंकी पीछे के रास्ते से भाग गए हैं, जिसके बाद सेना ने सर्च ऑपरेशन को कुछ समय के लिए रोक दिया है। पुलिस उपमहानिरीक्षक, मध्य कश्मीर, राजीव पांडे ने कहा, 'हालांकि, दुर्गम इलाका होने के कारण सटीक स्थान का पता नहीं चल पाया है। हमारे जवानों पर भी कुछ गोलियां चलाई गईं। घेराबंदी बढ़ा दी गई है और हमें उम्मीद है कि आतंकवादियों का पता लगा लिया जाएगा और उन्हें मार गिराया जाएगा। दो ग्राम रक्षा रक्षकों की हत्या के बाद कुंतवाड़ा और केशवान के जंगलों में बृहस्पतिवार शाम से आतंकवाद रोधी अभियान जारी है। तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों और आतंकवादियों में मुठभेड़ हुई, जिसमें तीन जवान घायल और एक शहीद हो गया। सेना ने शहीद सैनिक की पहचान 2 पैरा के नायब सूबेदार राकेश कुमार के तौर पर की और उनके सर्वोच्च बलिदान को सलाम किया।

सेना ने एक्स पर किए एक पोस्ट में बताया, 'व्हाइट नाइट कोर के जीओसी (जनरल ऑफिसर कमांडिंग) और सभी रैंक के जवान 2 पैरा (एसएफ) के बहादुर नायब सूबेदार राकेश कुमार के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं। सूबेदार राकेश भारत रिज किश्तवाड़ के सामान्य क्षेत्र में शुरू किए गए संयुक्त सीआई (आतंकवाद विरोधी) अभियान का हिस्सा थे।

हम दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ हैं।' तीसरा मुठभेड़ सोपेर में हुई थी, जहां एक आतंकी मुठभेड़ में मारा गया था।

बहू को कालीन पर सुलाना, टीवी देखने से रोकना क्रूरता नहीं : हाईकोर्ट

मुंबई, 10 नवम्बर बॉम्बे हाई कोर्ट की औरंगाबाद पीठ ने अपनी दिवंगत पत्नी के प्रति कथित क्रूरता के लिए एक व्यक्ति और उसके परिवार के खिलाफ 20 साल पुरानी सजा को पलट दिया। अदालत ने पाया कि उसे चिढ़ाने, उसे टीवी न देखने देने, उसे अकेले मंदिर जाने से रोकने और कालीन पर सुलाने के आरोप भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498 ए के तहत गंभीर कार्रवाई नहीं हैं। उच्च न्यायालय ने कहा कि आरोप, जो मुख्य रूप से घरेलू मुद्दों पर केंद्रित थे, शारीरिक या मानसिक क्रूरता के स्तर तक नहीं बढ़े।

अपने फैसले में अदालत ने उस व्यक्ति, उसके माता-पिता और उसके भाई को बरी कर दिया, जिन्हें निचली अदालत ने क्रूरता और आत्महत्या के लिए उकसाने के लिए आईपीसी की धारा 498 ए और 306 के तहत दोषी ठहराया था। लाइव लॉ की रिपोर्ट

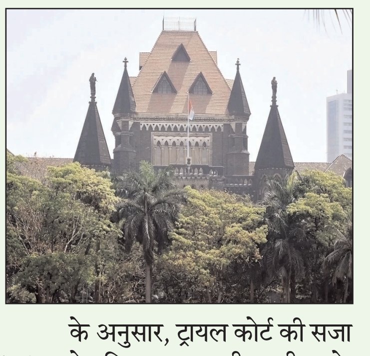

के अनुसार, ट्रायल कोर्ट की सजा के खिलाफ उनकी अपील के बाद यह फैसला आया। 17 अक्टूबर के आदेश में, एकल-न्यायाधीश पीठ की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति अभय एस वाघवासे ने अपीलकर्ताओं के खिलाफ मुख्य आरोपों का विवरण दिया। इनमें उसके द्वारा बनाए गए भोजन को लेकर मृतकों को ताना देना, उसके टेलीविजन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाना, उसे पड़ोसियों के पास जाने या अकेले मंदिर में जाने से रोकना, उसे कालीन पर सुलाना और उसे खुद ही कूड़ा बाहर फेंकने के लिए कहना शामिल था।

महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा के लिए खतरा बनी साइबर की दुनिया

-प्रियंका सौरभ

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उत्पन्न सामग्री के उदय ने डिजिटल स्पेस में महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों को और बढ़ा दिया है, जिससे ऑनलाइन उत्पीड़न और गोपनीयता उल्लंघन के नए रूप सामने आए हैं। इससे टेक कंपनियों और सरकारों दोनों की तत्काल कार्यवाही करने की आवश्यकता बताई है। आज जब साइबर क्षेत्र में महिलाओं के लिए खतरे कई गुना बढ़ गए हैं, तो ऐसा कोई सुरक्षित ठिकाना नहीं बचा है, जहाँ वह छुप सकें और न ही कोई कड़ी सुरक्षा वाला इलाका है, जहाँ बैठकर वह अपने सम्मान पर डाका डालने वाले साइबर खतरों से खत्म होने का इंतजार कर सकें। एक वैश्विक सर्वे में पता चला है कि 60 प्रतिशत लड़कियों और महिलाओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उत्पीड़न का सामना किया है और इनमें से लगभग 20 प्रतिशत ने इसके चलते या तो सोशल मीडिया को अलविदा कह दिया या फिर उसका इस्तेमाल कम कर दिया।

इसी तरह यूएन विमेन ने पाया है कि दुनिया भर में 58 प्रतिशत महिलाएँ और लड़कियों को किसी न किसी तरह के ऑनलाइन शोषण का शिकार होना पड़ा है। इनमें ट्रोलिंग, पीछा करने, डॉक्सिंग और लैंगिकता पर आधारित दूसरे तरह के ऑनलाइन हिंसक बर्ताव हैं, जो डिजिटल युग के नए खतरों के तौर पर उभर रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग डीपफेक वीडियो और चित्र बनाने के लिए किया जा रहा है, जो महिलाओं को मनगढ़ंत सामग्री के साथ लक्षित करते हैं जो अक्सर प्रकृति में यौन या मानहानिकारक होते हैं। यू.एस। की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को 2024 के राष्ट्रपति पद के लिए अपने अभियान के दौरान झूठे और हानिकारक

इंटरनेट इस्तेमाल करने वाली स्त्रियों की बढ़ती तादाद एक सकारात्मक बदलाव है। लेकिन, इसने और अधिक संख्या में महिलाओं को वर्चुअल दुनिया में खतरों के जोखिम में डाल दिया है। हाँ, ऐसा लग रहा है कि महिलाओं के प्रति ऑनलाइन अपराध की घटनाएँ बढ़ रही हैं। इनमें यौन उत्पीड़न, धमकाने, डराने बलात्कार या जान से मार देने की धमकियाँ देने, साइबर दुनिया में पीछा करने और बिना सहमति के तस्वीरें और वीडियो शेयर करने जैसी वारदातें शामिल हैं। सर्वे में पता चला है कि 60 प्रतिशत लड़कियों और महिलाओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उत्पीड़न का सामना किया है और इनमें से लगभग 20 प्रतिशत ने इसके चलते या तो सोशल मीडिया को अलविदा कह दिया या फिर उसका इस्तेमाल कम कर दिया। भारत की अदालतें, महिलाओं के प्रति ऑनलाइन अपराधों की तुलना में ऑफलाइन जुर्मों को ज्यादा अहमियत देती हैं।

संदर्भों में उन्हें चित्रित करने वाले डीपफेक का सामना करना पड़ा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल महिलाओं के चरित्र और विश्वसनीयता को कम करने के लिए डिजाइन की गई झूठी कथाएँ या स्त्री-द्वेषी सामग्री फैलाते हैं, विशेष रूप से नेतृत्व की भूमिकाओं में महिलाओं को लक्षित करते हैं।

रिपब्लिकन प्राइमरी के दौरान निक्की हेली हेरफेर की गई छवियों और फर्जी खबरों का शिकार हुईं। महिलाओं को ऑनलाइन वस्तुकरण और यौन रूप से स्पष्ट सामग्री का असंगत स्तर का सामना करना पड़ता है, जो वास्तविक नकली सामग्री बनाने की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की क्षमता द्वारा बढ़ाया जाता है। इतालवी प्रधान मंत्री जियोर्जिया मेलोनी की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा बनाई गई स्पष्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुईं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा बनाई गई डीपफेक और बदली हुई तस्वीरें महिलाओं की निजता का उल्लंघन करती हैं, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर प्रतिष्ठा को काफी नुकसान होता है और मानसिक परेशानी होती है। बांग्लादेशी राजनेता रुमिन फरहाना को चुनावों से पहले डीपफेक सामग्री के साथ निशाना बनाया गया था। तकनीकी कंपनियों और सरकारों द्वारा समस्या को कम करने के लिए कदम। कंपनियों को त्रुटियों को रोकने के लिए मानवीय निगरानी के साथ, हानिकारक सामग्री को व्यापक रूप से प्रसारित होने से पहले सक्रिय रूप से चिह्नित करने और हटाने के लिए उन्नत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डिटेक्शन सिस्टम में निवेश करना चाहिए।

मेटा (फेसबुक) ने हाल ही में डीपफेक से निपटने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल की घोषणा की, लेकिन उनका कार्यान्वयन असंगत बना हुआ है। प्लेटफॉर्म को स्पष्ट जवाबदेही उपाय प्रदान करने चाहिए और रिपोर्ट करनी चाहिए कि वे अपनी मॉडरेशन नीतियों के पारदर्शी ऑडिट के साथ फ्लैग की गई सामग्री को कैसे संभालते हैं। यूरोपीय संघ के डिजिटल सेवा अधिनियम (2022) में डिजिटल प्लेटफॉर्म को सामग्री मॉडरेशन क्रियाओं की रिपोर्ट करना अनिवार्य किया गया है। तकनीकी कंपनियों को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि एल्गोरिदम को इस तरह से डिजाइन किया जाए कि लिंग पूर्वाग्रह कम हो और हानिकारक उद्देश्यों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल का दुरुपयोग रोका जा सके। गूगल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिद्धांत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जिम्मेदार उपयोग पर प्रकाश डालते हैं, लेकिन अधिक कार्यान्वयन की आवश्यकता है।

सरकारों को डेटा सुरक्षा कानूनों को लागू करना चाहिए और डीपफेक-विशिष्ट कानूनों सहित एआई-जनरेटेड सामग्री के दुरुपयोग को संबोधित करने के लिए विशिष्ट कानूनी प्रावधान बनाने चाहिए। भारत के सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम 2021 सामग्री मॉडरेशन के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है, लेकिन इसमें कड़े एआई-विशिष्ट नियमों का अभाव है। सरकारों को एआई नैतिकता बोर्ड और रूपरेखाएँ स्थापित करनी चाहिए जो नैतिक एआई विकास को अनिवार्य बनाती हैं, लिंग आधारित भेदभाव को रोकने पर ध्यान केंद्रित करती हैं। यूरोपीय संघ के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अधिनियम का उद्देश्य उच्च जोखिम वाली एआई प्रणालियों को विनियमित करना है, विशेष रूप से मीडिया और निगरानी में। सरकारों को डीपफेक सामग्री की पहचान करने और रिपोर्ट करने के लिए जन जागरूकता अभियान शुरू करना चाहिए, विशेष रूप से कमजोर समूहों को लक्षित करना चाहिए।

भारत का राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल एआई-जनरेटेड कंटेंट से जुड़े साइबर अपराधों की आसान रिपोर्टिंग की सुविधा देता है। निर्धारित समय सीमा के भीतर हानिकारक कंटेंट को हटाने में विफल रहने पर तकनीकी कंपनियों को मौद्रिक दंड के माध्यम से जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। यूरोपीय संघ जीडीपीआर उन कंपनियों पर भारी जुर्माना लगाने की अनुमति देता है जो उपयोगकर्ताओं को डेटा के दुरुपयोग से बचाने में विफल रहती हैं। सरकारों, तकनीकी फर्मों और नागरिक समाज के बीच एक सक्रिय, बहुपक्षीय दृष्टिकोण महिलाओं के लिए सुरक्षित डिजिटल स्थानों का निर्माण सुनिश्चित करेगा, नैतिक एआई विकास और मजबूत ऑनलाइन सुरक्षा को बढ़ावा देगा।

स्वर्णिम मिथिला संस्थान ने किया शिखर सम्मेलन 2024 का आयोजन

पटना। स्वर्णिम मिथिला संस्थान के द्वारा किदवईपुरी स्थित द रेड वेलवेट होटल सभागार में "शिखर सम्मेलन - 2024 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. सी पी ठाकुर, विशिष्ट अतिथि विनोद नारायण झा, डॉ. नारायण झा एवं स्वर्णिम मिथिला संस्थान के संस्थापक अभिनव नारायण, आर के झा, प्रकाश कुमार, विभव कुमार झा आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. सी पी ठाकुर ने कहा कि यह आयोजन बिहार और देश के स्वर्णिम भविष्य की दिशा में एक बेहतर कदम है। वहीं अन्य अतिथियों ने इस बेहतर आयोजन के लिए स्वर्णिम मिथिला संस्थान को अपनी शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में स्वर्णिम मिथिला संस्थान के संस्थापक अभिनव नारायण ने कहा कि आज के सम्मेलन में मुख्य रूप से ग्लोबल, बिहार वाणिज्य, समृद्धि, सामाजिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की गई है जो निश्चित ही बिहारवासियों, देशवासियों व एनआरआई के लिए फायदेमंद साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस भव्य आयोजन से समाज के उत्थान की इस अनोखी यात्रा के साथ - साथ आत्म-खोज, स्वास्थ्य, आध्यात्मिक जागरूकता की झलक के साथ मिथिला की सांस्कृतिक धरोहर का एक नया अनुभव मिलेगा।

पानी बचेगा तभी बचेगा जीवन, अगले वर्ष तक दुनिया की 14 फीसदी आबादी के सामने बड़े जल संकट की आशंका

अशोक भाटिया

दुनिया भर में पीने के साफ पानी की किल्लत विकराल समस्या बनती जा रही है। धरती पर मौजूद पानी का 97 फीसद समुद्रों में है और तीन फीसद ही पीने योग्य है। संयुक्त राष्ट्र की एक रपट के अनुसार 2025 तक दुनिया की चौदह फीसद आबादी के सामने जल संकट खड़ा हो जाएगा। अगर पानी की बबार्दी रोकने और जल संरक्षण के उपाय नहीं किए गए तो हालात और खराब हो सकते हैं। धरती पर पानी की खपत लगातार बढ़ रही है। यूनेस्को की ताजा रपट के मुताबिक इस वक्त दुनिया की दस फीसद आबादी गंभीर जल संकट का सामना कर रही है। यह संकट समय के साथ-साथ और गहराता जा रहा है। दुनिया की आबादी का करीब 18 फीसद हिस्सा भारत में रहता है, लेकिन यहां भी धरती के ताजा पानी के स्रोत का केवल तीन से चार फीसद ही उपयोग लायक है।

देखा जाय तो भारत में पानी की बबादी पर लोग आम तौर पर परेशान नहीं होते हैं। शहर हो या गांव, हर जगह लोग पानी का बेतहाशा इस्तेमाल कर रहे हैं। सरकारें भी इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दे रही हैं। लेकिन भारत में पानी की कमी कितनी भयावह हो सकती है इसका अंदाजा आप यूनेस्को की इस रिपोर्ट से लगा सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनेस्को की रिपोर्ट के अनुसार साल 2025 तक भारत में पानी की समस्या बहुत ज्यादा बढ़ जाएगी। ऐसी आशंका भी जताई गई है कि जल संरक्षण की कमी, प्रदूषण, अतिक्रमण, शहरीकरण और ग्लेशियर पिघलने के कारण आने वाले समय में गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी हिमालयी नदियों का प्रवाह कम हो जाएगा। यूनेस्को की रिपोर्ट की मानें तो साल 2016 में धरती पर 9.33 करोड़ आबादी पानी के संकट से जूझ रही थी। उसके बाद कई देशों में जल-संकट काफी तेजी से बढ़ा। रिपोर्ट में एक और बड़ा दावा ये भी किया गया है कि एशिया में लगभग 80 प्रतिशत आबादी जल संकट से जूझ रही है। यह संकट पूर्वोत्तर चीन, भारत और पाकिस्तान पर सबसे ज्यादा है।

महाराष्ट्र में पारा 40 के पार पहुंच जाता है। चिलचिलाती धूप के कारण मुंबई को जलापूर्ति करने वाले जलाशय तेजी से सूखते रहते हैं। मुंबई को पानी आपूर्ति करने वाली सातों झीलों का पानी जुलाई में खत्म हो जाता है । झीलों में पानी का मौजूदा स्तर मुंबईकरों को चिंतित कर रहा है। मुंबई को पानी की आपूर्ति करने वाले सात जलाशयों में फिलहाल 16 फीसदी पानी बचा है और पिछले साल की तुलना में यह भंडार काफी कम है। मौसम विभाग ने भी चेतावनी दी है कि अगले कुछ दिन इसी तरह गर्मी जैसे हालात बने रहेंगे, जिसके चलते मुंबई में 15 से 20 फीसदी पानी की कटौती का संकट पैदा हो गया है। हालांकि बृहन्मुंबई महानगरपालिका (इटउ) ने लोगों को सांत्वना देते हुए कहा है कि शहर में जल आपूर्ति कर रहे सात जलाशयों का भंडार वर्ष के अंत तक रहेगा और निवासियों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। समग्र जल प्रबंधन सूचकांक (सीडब्ल्यूएमआई) की रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान में भी भारत के प्रमुख 21 शहरों में लगभग 10 करोड़ लोग पानी की भीषण समस्या से जूझ रहे हैं। देश में साल 1994 में पानी की उपलब्धता प्रति व्यक्ति 6 हजार घन मीटर थी जो साल 2025 तक घटकर 1600 घन मीटर रह जाने की संभावना जताई गई है। इसके अलावा देश की बढ़ती आबादी भी जल संकट का एक बड़ा कारण माना जा रहा है।

ऐसे में वर्तमान में जल को संरक्षित नहीं किया गया तो आने वाले सालों में लोगों को पीने का पानी तक ढंग से मुहैया करवाना सरकार के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है। जल को संरक्षित करने के किसी भी प्लान को बनाने के लिए सरकार के पास देश के सभी नदियों और जलाशयों का डेटा होना चाहिए। जो कि सबसे बड़ी चुनौती है।

दरअसल वाटर रिसोर्सेज इनफॉरमेशन सिस्टम के पास जलाशय और नदियों का आंकड़ा तो मौजूद है लेकिन अलग-अलग शहरों के छोटी नहरों का कोई डाटा मौजूद नहीं है जिन्हें ग्रामीण भारत की जीवन रेखा माना जाता है और यही नहरें बाढ़ रोकने के लिए बहुत ही ज्यादा कारगर होती हैं। इसके अलावा भारत में पानी के आंकड़े तैयार करने वाली एजेंसियां राज्य स्तर पर हैं और ये राज्य इन डाटा को तैयार करने के विकेंद्रीकृत और लोकल मैकेनिज्म का उपयोग करती हैं।ऐसे में जल निकायों का प्रबंधन करने के लिए, हमें औपचारिक डेटा के साथ एकीकृत करने के लिए समुदायों के प्रासंगिक और पारंपरिक ज्ञान की आवश्यकता है। आज दुनिया का बड़ा हिस्सा अपनी दैनिक आवश्यकताओं के लिए पानी की कमी से जूझ रहा है। इस समस्या को समझते हुए विश्व में पानी की बबार्दी रोकने, महत्व समझने, संरक्षण करने और सही मात्रा में पानी का इस्तेमाल सुनिश्चित करने के लिए तरह तरह की योजनाएं और तरीके निकाले जाने जरुरी हैं। भारत में ज्यादातर जल स्त्रोत जैसे तालाब, कुएं, नहर, नदियां सूखती और प्रदूषित होती जा रही हैं। ये जल संकट की ओर इशारा है, इसलिए इस स्थिति में जल्द से जल्द परिवर्तन लाना बेहद जरूरी है। शहरों में नहर होने के कई फायदे होते हैं ये नहर बारिश के पानी को संरक्षित करने का सबसे आसान और कारगर तरीका है । सामान्य तौर पर, गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान जैसे शुष्क राज्यों में बहुत सारी नहरें और छोटे- छोटे जलाशय बनाए जाते हैं। सूखाग्रस्त राज्यों में नहरों और छोटे छोटे जलाशयों का का मुख्य रूप से सिंचाई और भूजल पुनर्भरण के लिए उपयोग किया जाता है। केरल, पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में नहर का इस्तेमाल घरेलू उपयोग और मछली पालन के लिए भी किया जाता है। जल शक्ति मंत्रालय ने अप्रैल 2023 में भारत की पहली जल निकायों की जनगणना की रिपोर्ट जारी की है, जो देश में तालाबों, टैंकों, झीलों और जलाशयों का एक व्यापक डेटा बेस है। जनगणना के अनुसार भारत में तालाबों, टैंकों और झीलों जैसे 24.24 लाख जल निकाय हैं। पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा 7.47 लाख जल संरचनाएं हैं जबकि सिक्किम में सबसे कम 134 जल संरचनाएं हैं। जल शक्ति मंत्रालय द्वारा जारी जल संख्या गणना के मुताबिक भारत में कुल 24.24 लाख जल संरचनाएं हैं, जिनमें से 97.1 प्रतिशत यानी 23.55 लाख ग्रामीण क्षेत्रों में हैं और केवल 2.9 प्रतिशत यानी 69,485 शहरी क्षेत्रों में हैं। इसी जनगणना के मुताबिक टैंकों की सबसे ज्यादा संख्या आंध्र प्रदेश में है, जबकि तमिलनाडु में सबसे ज्यादा संख्या झीलों की है। केंद्रीय जल शक्ति मिनिस्ट्री की रिपोर्ट के अनुसार देश के अन्य राज्यों की तुलना में महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा जलाशयों की गणना की गई है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे 2023 के अप्रैल महीने में ट्वीट के माध्यम से ये लिखा था कि आगे चलकर राज्य में पानी का संकट सामने नहीं आए, इसके लिए राज्य की महायुति की सरकार कटिबद्ध है।

इस रिपोर्ट के अनुसार देश में ज्यादा जल निकाय बहुत छोटे हैं। भारत के अधिकांश जल निकाय एक हेक्टेयर से कम बड़े हैं। इसका मतलब ये है कि उनका पता लगाना और उन पर नजर रखना एक चुनौती बने रहने की संभावना है। उपग्रहों का उपयोग करके इन जल निकायों को मानचित्रित करने का तरीका भी काम नहीं कर सकता है, यही कारण है कि भू-आधारित ट्रैकिंग यानी जल शक्ति जनगणना की शुरूआत की गई। इसी रिपोर्ट के अनुसार कई जल निकायों का पानी इतना पुराना और इतना गंदा है कि उसे इस्तेमाल नहीं करने में वगीर्कृत किया गया है। बता दें कि पिछले कुछ सालों में इजरायल ने बारिश के जल संचय के साथ पानी का बेहतर इस्तेमाल कर जल संकट की मुसीबत से छुटकारा पा लिया। भारत में वर्तमान में एक साल में जितनी बारिश होती है, अगर उसका संचय सही तरीके से किया जाए और नई तकनीक से उसे पीने के लायक बनाकर इस्तेमाल किया जाए, तो बहुत हद तक समस्या कम हो सकती है। जरूरत है कि पानी को बचाने के लिए हम प्रतिबद्ध हों, तभी पानी हमारा जीवन रक्षक बन सकेगा।

चिंताजनक स्थिति यह भी है कि न सिर्फ भारत बल्कि दुनिया की लगभग 26 प्रतिशत जनसंख्या को साफ पानी तक नहीं मिल पा रहा है। पश्चिमी एशिया और अफ्रीका के बहुत-से देशों में पेयजल का संकट है। लोगों को पीने के लिए स्वच्छ पानी नहीं मिल पाता। दुनिया के 2 से 3 अरब लोग साल में कम से कम एक महीने पानी की कमी से जूझते हैं। वर्तमान स्थिति में भारत भूजल का अन्य देशों की तुलना में सबसे ज्यादा इस्तेमाल करता है। हालांकि निकाले गए भूजल का सिर्फ 8 प्रतिशत पानी ही पीने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। पानी का 80 फीसदी भाग सिंचाई में उपयोग किया जाता है। शेष 12 प्रतिशत भाग उद्योगों द्वारा उपयोग किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन की रिपोर्ट के अनुसार देश में जल संकट की वजह यहां जरूरत से ज्यादा भूजल का दोहन है। केंद्रीय भूजल बोर्ड की मानें तो देश में हर साल सिंचाई के लिए 230 अरब घन मीटर भूजल निकाला जाता है, इस कारण है कि कुछ राज्यों में भूजल का स्तर काफी नीचे चला गया है। वैज्ञानिकों की माने तो धरती का तापमान जैसे-जैसे बढ़ता जा रहा है वैसे ही ऋतु-चक्र में बदलाव देखने को मिल रहे हैं और पानी की किल्लत से परेशानियां बढ़ रही हैं। दरअसल पिछले बीस सालों में धरती के बढ़ते तापमान, ग्रीन हाउस गैसों का असर और ग्लोबल वार्मिंग के कारण भारत के ऋतु-चक्र मेंह्यअल-नीनोह्ल का असर देखने को मिल रहा है। जिसका मतलब है कि देश में बरसात कम हो रही है और गर्मी बेतहाशा बढ़ती जा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में दूसरे देशों की तुलना में पानी की बबार्दी कहीं ज्यादा होती है।

जल संकट की एक बड़ी वजह कारखानों के जहरीले पानी को पाइप के मदद से जमीन के अंदर पहुंचाना भी है। दरअसल भारत में तीन लाख से ज्यादा छोटे-बड़े बूचड़खाने हैं। इन कारखानों में हर दिन करोड़ों लीटर पानी बर्बाद किया जाता है। इसी तरह दूसरे देशों में भी बूचड़खानों के कारण करोड़ों लीटर पानी बर्बाद होता है। जल संबंधी जरूरतें पूरी करने के लिए भारत सरकार की योजना के बारे में बताया जाता है कि इस समाया भारत में जल संरक्षण की चार योजनाए चल रही है 1। राष्ट्रीय जल नीति, 2012 - 2, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 3, जल शक्ति अभियान- कैच द रेन अभियान 4, अटल भूजल योजना ।

पानी की किल्लत सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया होने वाली है। जल संकट आने वाले समय में झगड़े-फसाद की वजह भी बन सकता है। जानकारों की मानें तो अगला विश्व युद्ध पानी के एकाधिकार को लेकर हो सकता है। बात भले ही हास्यापद लगे परन्तु बताया जाता है कि ग्रामीण महाराष्ट्र में कई लोगों ने दूसरी शादी इसलिए करते हैं ताकि एक पत्नी पानी लाए और पहली पत्नी घरेलू कार्य निपटा सके। इस टर्म को 'वाटर वाइफ' कहते हैं। अगर दूसरे राज्यों में भी ऐसे हालात हुए तो संभव है कि महाराष्ट्र का यह प्रयोग दूसरे राज्य के लोग भी करने लग जाए, जो आगे चलकर कई सामाजिक, धार्मिक और पारिवारिक समस्याओं का कारण बन सकता है।

नर्मदापुरम आदमगढ़ के प्रागैतिहासिक शैल चित्रों का इतिहास

-आत्माराम यादव पीव वरिष्ठ पत्रकार

नर्मदापुर पर होशंगाबाद नामक धुंध का घना कोहरा था वह हटते ही अब नर्मदापुरम आलोकित हो गया। नर्मदापुरम में मानव का उदभ्व और विकास की प्रथम पहचान के रूप में प्रागैतिहासिक चित्रित शैलाश्रय के वंशवृक्ष की पहचान वर्ष 1921 में यहाँ पदस्थ डिप्टी कमिश्नर के द्वारा सूचना देने एवं आग्रह किये जाने पर केन्द्रीय पुरातत्व सर्वेक्षण के सुपरिण्टेण्डेण्ट पण्डित हीरानन्द शास्त्री द्वारा मनोरंजन घोष से एक-एक चित्र का अवलोकन कर उनका सर्वेक्षण कराया तब उनके द्वारा वर्ष 1922 में पहली बार आदमगढ़ के प्रागैतिहासिक चित्र प्रकाश में आने के बाद वर्ष 2023 में 101 साल पूरे हो गये है। सौ साल पहले की गयी गणना में आदमगढ़ की पहाडियॉ में 18 शैलाश्रय प्राप्त हुये थे जिनमें विभिन्न प्रकार की आकृतियों के 335 शिलाश्रय पाये गये थे तथा तब यह क्षेत्र पहाड़िया क्षेत्र में जमकर पत्थर उत्खनन के लिये सक्रिय था, जबसे यह संज्ञान में आया तब से आज तक देखा जाये तो इन शैलाश्रयों की खोज की शताब्दी वर्ष गुपचुप रूप से निकल गयी जिसकी भनक भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को भी नहीं लग सकी।

आदमगढ़ के शैलाश्रय आदिम प्रकृति के आदिमानव सभ्यता की शुरूआत के सूचक है और यह माना गया कि आदि मानव कभी यहॉ निवास कर तत्समय के उल्लासमय जीवन के आन्तरिक भावों की अभिव्यक्ति के लिये इन चित्रों के द्वारा अपनी बात कहना या जतलाना चाहते थे। सच मायने में देखा जाये तो ये प्रागैतिहासिक चित्र मानवजाति के प्रारम्भिक जीवन यात्रा की विशद कहानी है जिसमें आदिमानव के उल्लासमय जीवन के आन्तरिक भावों की सफलतम अभिव्यक्ति विभिन्न आकृति, प्रकृति के ज्यामितिक, रेखानुकृति, भावानुसारी (भावप्रधान) शैल चित्रों के रूप में पूर्ण, अर्द्धपूर्ण तथा अपूर्ण अर्थात आधी-अधूरी दिखाई देते है तभी इन शिलाश्रयों को मानव विकास से जोड़ा गया है और विश्व में प्रागैतिहासिक चित्रों के रचयिता भी इन्हीं के वंशधर कहे गये है।

आदमगढ़ के शैलाश्रय इस बात की पुष्टि करते है कि नर्मदापुरम जिला प्रागैतिहासिक काल का साक्षी रहा है। डॉक्टर सांकलिया ने आदमगढ़ के लघु-पाषाण अस्त्रों से बने इन शैलचित्रों का रचनाकाल 10000 से लेकर 4000 ई.पूर्व के बीच का माना है, जबकि 14 जून 1959 के धर्मयुग के पृष्ठ 26 में डॉ.वी.एस.वाकणकर तथा उसी अंक में मनोहर लाल मिश्र के प्रकाशित लेख का जिक्र भी आता है, जिसमें श्री मिश्र ने इन शिलाचित्रों के रचनाकाल की समस्या को बखूबी से रखा था और पहाड़िया के चित्रों को दो वर्गो में बॉटते हुये उनके परस्पर बने होने में हजारों वर्षो का अन्तर बतलाया था। पहले वर्ग में एक वर्गी या बाह्यरेखा से बनी आकृतियाँ थी तो दूसरे में प्राचीन प्रस्तर युग का सम्बन्ध 9 वीं या 10 वीं शताब्दी ई. लगाया गया था। श्री मिश्र ने अपने लेख में दो स्थानों पर तीन कालों से चित्रों का संबंध करते हुए एक प्राचीन प्रस्तर युग, दूसरे में नवीन प्रस्तर युग एवं तीसरे में ऐतिहासिक युग का सम्बन्ध बताया है जबकि डॉ. वाकणकर ने इन शैलचित्रों को सात स्तरों में विभाजित किया एवं और शैलाश्रय क्रमांक-10 के हाथी के धुधंले चित्र को सर्वाधिक प्राचीन माना और उसे प्रथम प्रस्तर का निश्चित किया। दूसरे स्तर पर इसी शैलाश्रय के एकदम ऊपर की ओर बने विशाल पशुओं के चित्रों को स्वीकार किया एवं तीसरे स्तर में मानव आकृतियों को चौथे स्तर पर धर्नुधर एवं आखेट दृश्य रखे गये।

विगत 40 वर्षो से मेरा आदमगढ़ की पहाडियॉ पर आना जाना रहा है। मुझे स्मरण है कि वर्ष 1985 तक पहाड़ी की उस ओर मजदूर पत्थर तोड़ते ओर ट्रकों में भरने का काम सन 1995 तक किया करते थे और पहाडियॉ के ऊपर तक अनेक चरवाहें अपने जानवरों को चराने लाया करते थे, तब एक चरवाहे के साथ पहली बार मैंने भी इन शैलाश्रयों को देखा था। तत्समय के बुजुर्ग इस पहाड़िया को महाभारतकाल के समय भीम के द्वारा नर्मदा से विवाह का प्रस्ताव रखने पर नर्मदा द्वारा उनकी धारा को सुबह मुर्गे की बाग देने से पहले रोकने की शर्त पर तैयार हुये और पहली पहाड़ी वान्द्राभान पर अवशेषों के रूप में छोड गये, तथा दूसरी लेकर आते समय मुर्गे की बाग सुनाई देने पर दोनों हाथों की पहाड़ी वहीं छोड गये जिसमें एक आदमगढ़ की पहाड़िया कही गयी दूसरी कुलामढ़ी रोड़ पर आज भी इसका साक्ष्य मानी जाती है। इस क्विदंती के साथ आदमगढ़ पहाडी पर शैलाश्रयों की विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिये मैंने पुरातत्व विभाग के अधिकारियों से सम्पर्क किया, परन्तु किसी ने भी मुझे इन शैलाश्रयों से सम्बन्धित प्रमाणिक जानकारी विभाग के पास उपलब्ध न होने का हवाला देकर उपलब्ध नहीं करायी।

मेरी रूचि इन शैलाश्रयों के सम्बन्ध में बढ़ती गयी और जो भी शैलाश्रयों से सम्बन्धित आलेख या पुस्तकें पढ़ने को मिली, उसी आधार पर मैं आज यह जानकारी आप सभी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूॅ तथा वनविभाग के अनुविभागीय अधिकारी शिवकुमार अवस्थी जी का हृदय से आभारी हूॅ जिनसे प्राप्त सहयोग व सहायता से नवम्बर 2022 में उनके मार्गदर्शन में सिवनीमालवा के घने जंगलों में बसा ग्राम पिपलिया की पहाड़ी जिसे बोररानी क्रमांक 1 व 2 के शैलाश्रय से पहचान हुई । वहॉ गहरे कत्थई रंग की रेखानुकृति वाले चित्रों के अलावा जानवरों के, योद्धाओं के, नृत्य दृश्य एवं घुडसवारों के चित्र देखने को मिले। इन्हीं घने जंगलों की पहाड़ियों में जहॉ जानवरों के भय से कोई जाने के तैयार नहीं होता तब वनवासियों या वनविभाग के कर्मचारियों के सहयोग से जाया जा सकता है। सिवनीमालवा के बूढ़ीमाई शैलाश्रय को दो क्रमांकों में बॉटा गया है और इसी प्रकार लोधागढ़ जो सिवनीमालवा से 18 किलोमीटर दूरी पर ग्राम पीपलगोटा में है उक्त ग्राम से 15 किलोमीटर दूर पथरीले रास्तों से होकर यहॉ के शैलाश्रयों को देखा जा सकता है, जिसकी ओर पुरातत्व विभाग निष्क्रिय बना हुआ है, यदि यही आलम रहा तो यहॉ की आदम सभ्यता की कहानियॉ किताबों में कैद होकर रह जायेगी।

नर्मदापुरम जिले के बोरी अभ्यारण, आदमढ़, पचमढ़ी, सतपुड़ा उद्यान,सहित सिवनीमालवा कें 56 स्थानों पर तत्कालीन समय के पुरातत्व सर्वेक्षण में चिन्हित कर 3546 शैलाश्रय आकृतियों की पहचान की गयी जहॉ मानव के उद्भव इतिहास के प्रमाण में 3546 शैलचित्र पाये गये, किन्तु आज इनमें आधे चित्र भी हम सहेज नहीं सके और सदियों से जो सभी प्रकार के मौसमों को सहकर जीवंत रहे, वे इस समाज को रास नहीं आये। इसके पीछे का कारण आज से चार-पॉच दशक पूर्व फिल्मों में प्रेमियों के अमर रहने के लिये पत्थरों में पेड़ों में अपने नाम उकेरकर अपने प्रेम को अमर करने की मानसिकता एव अगले जन्म में अपने प्रेमी और प्रेमिका को पिछला जन्म याद दिलाकर उन्हें वे पहाड़ी प्रस्तर या प्राचीनतम पेड़ दिखाना था, परिणामस्वरूप एक पीढ़ी इस फिल्मी धारा में बह गयी और उसने देखरेख के अभाव एवं पर्याप्त सुरक्षा न होने पर इस तरह के तमाम शिलाश्रयों पर, उसके आसपास पहाड़ों में अपना और अपनी प्रेमिका का नाम उकेरने के नाम पर लाखों साल के इन चित्रां को नष्ट किया है, कुछ वर्षो से यह शैलाश्रय राष्ट्रीय धरोहर एवं संरक्षण में होने से बचे हुये है, शेष के अस्तित्व को लेकर किसी के पास कोई जबाव नहीं है।

नर्मदापुरम जिले के अनेक स्थानों पर इन शैलाश्रयों का उल्लेख विस्तार से मिलता है जिसमें पचमढ़ी के आसपास फैले अनेक पहाड़-पहाड़ियों, प्रस्तर-शिलाओं आदि में वर्ष 1932 में इन प्रागैतिहासिक चित्रों की जानकारी पहली बार भ्रमण करने निकले डॉ. जी.आर.हन्टर को हुई, श्री हन्टर उस समय एक आयोजन में भाषण देने के लिये आये थे तब उन्होंने वहॉ उपस्थित अंग्रेज अफसर डी.एच.गार्डन को इन शिलाश्रय की जानकारी दी जिले के सभी शैलाश्रय की महत्वपूर्ण खोज को प्रेरित किया बाद में गार्डन ने शोध और अध्ययन के बाद इन शैलाश्रयों पर पहली बार सन 1935 में इण्डियन केव पेंटिंग शीर्षक से विदेशी अखबारों में लिखा जिसके प्रकाशित होने के बाद इंग्लैण्ड सहित भारत के अनेक प्रसिद्ध अखबारों ने इन चित्रों के साथ ह्लद्दी रॉक पेंटिंग्स ऑफ महादेव हिल्सह्ल नाम से प्रकाशित किया। मिस्टर गार्डन ने सभी संग्रह शैलाश्रयों की पहल कर पुस्तकरूप में सन 1950 में प्रकाशित कराया। इन शैलाश्रयों की खोज के समय 1922 में आदमगढ़ पहाड़ी में 35 प्राकृतिक, 4 ज्यामितिक, 126 भावानुसारी सहित 165 पूरक चित्रों का उल्लेख मिलता है जबकि 5 प्राकृतिक, 4 ज्यामितिक एवं 19 भावासारी के चित्र अर्धपूरक आधे बने हुये हैं। यहॉ रेखनुकृति के वे चित्र जो रेखाओं से उकेरे गये है उनमें 16 प्राकृतिक , 16 ज्यामितिक एवं 25 भावानुसारी सहित कुल 53 चित्र सहित अलंकृत श्रेणी के 88 चित्र है जिसमें प्राकृतिक 18, ज्यामितिक 22 एवं भावानुसारी 48 है जिन सभी का योग 335 है जिससे आदमगढ़ की पहाड़ी शैलाश्रयों से सम्पन्न थी।

आज से 100 साल पूर्व आदमगढ़ के शैलाश्रय 1 में 9 शैलचित्र, शैलाश्रय क्रंमाक-2 में 14, शैलाश्रय क्रमांक-3 में 9, शैलाश्रय क्रमांक-4 में 42, शैलाश्रय क्रमांक-5 में 5, शैलाश्रय क्रमांक-6 में 33, शैलाश्रय क्रमांक-7 में 14, शैलाश्रय क्रमांक-8 में 9, शैलाश्रय क्रमांक-9 में 46, शैलाश्रय क्रमांक-10 में 67, शैलाश्रय क्रमांक-11 में 12, शैलाश्रय क्रमांक-13 में 7, शैलाश्रय क्रमांक-14 में 13, शैलाश्रय क्रमांक-15 में 11, शैलाश्रय क्रमांक-16 में 1, शैलाश्रय क्रमांक-17 में 22, एवं शैलाश्रय क्रमांक-18 में 4 चित्र इस प्रकार कुल 335 शैलचित्रों की गणना की गयी थी। जब इन शैलाश्रयों के सम्बन्ध में जानकारी होने पर मैं भ्रमण पर निकला तो मुझे शैलाश्रय क्रमांक-1 पर कोई चित्र नहीं मिला बल्कि लाल रंग के अस्पष्ट निशान दिखाई दिये वहीं क्रमांक-2 पर एक वृषभ का चित्र के अलावा अस्पष्ट लालरंग की आकृतियॉ दिखी यही स्थिति शैलाश्रय क्रमांक 3, 5,13, 14, एवं 15 की दिखी जहॉ कोई भी चित्र दिखाई नहीं दिया, जो नष्ट हो चुके है जबकि शैलाश्रय क्रमांक- ,6,7,8,9,10,11,12,17 एवं 18 पर ही विभिन्न आकृतियों के पशु, नृत्य के दृश्य, घुडसवार, हाथी, हिरण, वृषभ, भागते हुये गोल सिंह वाले भेसे, अश्वारोहियों, वन्यजीवों, वन्यजीवन को व्यक्त करने वाले आधे-अधूरे चित्र देखने को मिले।

डाक्टर जगदीश गुप्त ने जिले के इन चित्रों की प्रारम्भिक विधियों का उल्लेख कर इन्हें एकाकी अंकन, समूहांकन, आबद्ध अंकन, संश्लेषात्मक अंकन, विश्लेषात्मक अंकन, रूपानुसारी अंकन, भावानुसारी अंकन तथा गतिशील अंकन में बाटॅते हुये उन्हें पॉच शैलियों में विभाजित किया है जिसमें पूरक शैली, अर्द्धपूरक शैली, रेखा शैली,, अलंकृत शैली, क्षेपांकन शैली प्रमुख जिनकी 27 उपशैलियॉ की गयी जबकि यशोधर मठपाल ने इन तीन शैली प्राकृतिक, ज्यामितिक एवं भावानात्मक शैली को 12 उप शैलियों में बॉटा है जबकि डाक्टर वाकणकर ने इन्हें 20 शैलियों में बॉटकर उनका काल और क्रम पर आधारित किया है जिसे आगे रखकर नर्मदापुरम जिले के सभी शैलाश्रयों को विभाजित किया गया है।

आदमगढ़ से बाहर निकलकर थोड़ा जिले के भी शैलाश्रयों की चर्चा न कि जाये तो यह बात अधूरी होगी, इसलिये आदमगढ के बाद इन शैलाश्रयों से सम्पन्न क्षैत्रों का यहॉ जिक्र किया जा रह है जिसमें पचमढ़ी में 730 चित्र. पूरक है, जिनमें 209 प्राकृतिक, 13 ज्यामितिक,एवं 508 भावानुसारी है वहीं दूसरी श्रेणी अर्द्धपूरक में की सॅख्या 27 है जिसमें प्राकृतिक 8 एवं भावानुसारी 19 चित्र है। इसके अलावा जो अन्य दो श्रेणियों में रेखाकृति है उसके 192 चित्र है जिसमें 50 प्राकृतिक, 9 ज्यामितिक 133 भावानुकृति के है और अलंकृत चित्रों का योग 100 गिने गये है जिसमें 65 प्राकृति, 3 ज्यामितिक तथा 32 भावानुसारी है इस प्रकार पचमढ़ी क्षैत्र के कुल चित्रों की सॅख्या 1049 है। बोरी अभ्यारण में 414 पूरक, 23 अर्द्धपूरक, 124 रेखांकित तथा 253 अलंकृत सहित कुल 814 चित्र बने है। जिले के सिवनीमालवा में 149 पूरक, रेखांकित 34 और 13 अलंकृत सहित कुल 196 चित्र है। सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान में 762 पूरक, 14 अर्द्धपूरक,152 रेखाकृति, 224 अलंकृत सहित कुल 1152 चित्र है इसतरह जिले में सभी स्थानों के चित्रों का योग 3546 गिनती की गयी है। देश-दुनिया के सामने इन शैलचित्रों की जानकारी पहुॅचने पर विस्तृत खोज के लिये प्रत्येक उन स्थानों पर पहुॅचकर जानकारी एकत्र करने वाले वी.एस.वाकणकर ने वर्ष 1956-57 में राक शैल्टर्स इन मध्यप्रदेश के नाम से उजागर किया जिसमें होशंगाबाद के समीप आदमगढ़ के चित्रों का परिचय दिया गया वहीं जगदीश गुप्त ने वर्ष 1960 में भारतीय कला के पदचिन्ह में तथा 1966 में अपनी दूसरी पुस्तक प्रागैतिहासिक भरतीय चित्र कला नामक पुस्तक में इन शैलचित्रों की सभी आवश्यक जानकारी विस्तार से दी गयी है,किन्तु काफी प्रयासों से इस पुस्तक के कुछ अंश देखने को मिले। डॉक्टर पूर्णिमा मसीह के द्वारा नर्मदापुरम जिले के शैलचित्रों के सन्दर्भ में अपनी पुस्तक मध्यप्रदेश की प्रागैतिहासिक चित्रकला का प्रकाशन 1996 में किया गया था जिसमें उन्होंने गागर में सागर भरने का काम किया है, किन्तु यह पुस्तक सरकार ने सहेजने का काम नहीं किया।

जिन स्थानों पर यह शैलाश्रय पाये गये उनमें होशंगाबाद के आदमगढ़, पचमढ़ी क्षेत्र के शैलाश्रय में लश्करियॉ खोह, बाजार केव, निम्बू भोज, इमली खोह, माढ़ादेव, बनियाबेरी, ईशान श्रंग, मान्टेरोजा, छोटे महादेव, बी.डेमकेव, पचमढ़ी, जम्बूद्वीप, खटखटा पुतली लेन, चिल्ड्रेन केव, काईटस क्रेग,रजत प्रपात, मैसी केव, रजत प्रभात, काजरी, नागद्वारी, आगमद्वार, नीमगिरी, चित्रशाला, चुरनागुंडी, भुरकुम लेन, त्रिशूल नाला, झुनकर नाला, शेरगुफा, भीमकाल नाला, देवखला, धापडी, चितराकातरी, डोडलपानी, बेलखंदार, काकोटिया नाला, बोररानी, बूढ़ीमाई, लोधागढ़, शेरनाला, मामाभॉजा, धनाबोई, नीमधान, गजपत्थर, लम्बीझीत, टुन्ड्राआम नाला, आमवाली काप, हवालेन, कनमार, बींदनी पत्थर, कुरार्लेन, भगरा लेन, मिनकापाठा, खड़ाधार, भुरभुरी लेन एवं डोराथी डीप है। जो अव देखरेख व सहेजे न जाने के अभाव में नाममात्र के ही रह गये है जिसमें आदमगढ़ क्षेत्र को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण शैलाश्रय के नाम से भारतसरकार ने अपने आधित्य में रखकर 25 रुपए प्रति व्यक्ति टिकिट की दर से भ्रमण कराया जा रहा है, परन्तु बाहर से आने वाले दर्शकों से इन शैलचित्रों को कोई नुकसान न पहुॅचाये इसकी देखरेख की व्यवस्था नहीं की गयी हैं तथा आदमगढ़ पहाड़ी के इन शैलाश्रयों को सहेजने का काम किया है वैसा काम अन्य स्थानों पर न किये जाने से यह प्रागैतिहासिक आदिम युग की धरोहर नष्ट होने की कगार पर है जिसपर सरकार को सॅख्ती से रोक लगाना चाहिये ताकि आने वाली पीढ़ी को हम हमारे पूर्वजों की याद दिलाती रहे।

वरप गांव के राधा स्वामी सत्संग डेरा पहुंचे : कुमार आयलानी

उल्हासनगर (उत्तरशक्ति)। उल्हासनगर विधानसभा 141 भाजपा महायुति के उम्मीदवार कुमार आयलानी अपने प्रचार हेतू वरप गांव के राधा स्वामी सत्संग डेरा मे समर्थकों के साथ पहुंचकर आशीर्वाद लिया साथ समर्थन के प्रति आभार व्यक्त किया एवं 20 नवंबर को एक नंबर का कमल वाला बटन दबाकर प्रचंड मतों से भाजपा महायुति को जिताने की अपील की, इस अवसर पर विधानसभा चुनाव प्रमुख जमनू पुरसवानी,सिंधी साहित्य अकादमी कार्याध्यक्ष महेश सुखरामनी,उपजिल्हा प्रमुख शिवसेना दिलीप गायकवाड,योगेश देशमुख,अर्चना करणकाळे,राम चार्ली पारवानी,राकेश पाठक,लक्ष्मीमन कोंगेरे,,महेश देशमुख,अमित देशमुख,राजेश भोईर, केतन देशमुख,राकेश भोईर, भाऊ देशमुख,पदमाकर भगत व भाजपा महायुती के पदाधिकारी कार्यकर्ता बडी संख्या मे उपस्थित थे।

विधायक राजू दादा पाटिल का दिवा में जोरदार स्वागत

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के विधायक प्रमोद (राजुदादा) पाटिल के प्रचार के लिए दिवा में रैली का आयोजन किया गया। रैली 9 नवंबर की सुबह 10: बजे गावदेवी मंदिर के दर्शन के साथ शुरूआत हुई। बतादे की रैली का रूट कृष कॉलोनी, एनआर नगर, हनुमान मंदिर, प्रेम नगर, गणेश चौक, विनोद भगत, चेतन भगत, बंदर अली, म्हात्रे अली, मधली, अली, बलदा नगर, दीवा ईस्ट लेक, सबे रोड, सबे गांव, मुंब्रा कॉलोनी रोड, दातिवली गांव , म्हातारडी गांव, बेतवाडे गांव, अगासन गांव,अगासन रोड, दिवा चौक, मनसे विधायक कार्यालय पर समाप्त हुआ। दिवा शहर के सभी नागरिकों ने राजू पाटिल को आश्वासन दिया कि राजू दादा दुबारा जीतकर हमारा नेतृत्व करेंगे। लोगों ने यहां तक कहा कि शिंदे गुट हो या उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट. शिवसेना के वोट अब दो हिस्सों में बंटने वाले हैं. इसका फायदा मनसे विधायक राजू दादा पाटिल को मिलेगा जिसकी वजह से राजू दादा दुबारा जीतेंगे और इस बार मंत्री भी बनेंगे।

कलाकृति केंद्र द्वारा महान नृत्याँगना स्व. सितारा देवी को नमन कार्यक्रम संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सुप्रसिद्ध नृत्याँगना स्व.सितारा देवी को नृत्य संगीत मय नमन कार्यक्रम का आयोजन कलाकृति केंद्र, स्व. सितारा देवी गुरुकुल, शन्मुखानंद फाइन आर्ट्स एवम संगीत सभा के संयुक्त तत्वाधान में शनमूखानंद हॉल सायन मुंबई पर किया गया है। कलाकृति केंद्र द्वारा विगत 30वर्षों से सितारा देवी के सम्मान में कत्थक नृत्य का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर सितारा देवी गुरुकुल की जयंती माला मिश्रा, फजल कुरैशी, ऋषिका मिश्रा, सौरभ मिश्रा, गौरव मिश्रा, वैभव मांकड़, अलका गुजर अपनी प्रतिभाओ का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर सभी कत्थक प्रेमीयों एवम स्व.सितारा देवी के चाहने वालों, शिष्यों, घराने के लोगों ने उपस्थित रह कर कत्थक नृत्य का आनंद लिया और महान नृत्याँगना सितारा देवी को नृत्य संगीत मय श्रद्धांजलि अर्पित किया। आयोजक राजेश मिश्रा ने सभी कलाकारों, दर्शकों, नृत्य संगीत प्रेमियों का आभार व्यक्त किया।

केसीएन क्लब के प्रदेश मार्गदर्शक वरिष्ठ समाजसेवी संजय पाटील के जन्मदिन के मौके पर राष्ट्रीय संरक्षक शोभनाथ त्रिपाठी, सैनिक प्रकोष्ठ राष्ट्रीय महासचिव भाऊराव तायड़े, युवा मोर्चा राष्ट्रीय महासचिव विक्रम शुक्ला, लोक कल्याण संस्था अध्यक्ष स्वामीनाथ पाण्डेय, राष्ट्रीय मानवाधिकार महिला एवं बाल विकास आयोग के अध्यक्ष दयाराम मिश्र, उत्तर भारत सेवा समिति कार्याध्यक्ष संजय सिंह , सत्येंद्र सिंह, विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड प्रमुख एस.पी.सिंह, आनन्द गिरी, बजरंग दल के मनोज मिश्रा, केसीएन क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदन मिश्रा त्यागी, महिला शाखा की संगीता जायसवाल, जयंती महतो, केसीएन क्लब प्रदेश अध्यक्ष गंगाधर जगुष्टे,कोंकण मण्डल अध्यक्ष देवेन्द्र मेश्राम,प्रदेश उपाध्यक्ष विजय मौर्या,जिला अध्यक्ष यजुवेंद्र सावे, सत्येंद्र यादव,शैलेंद्र मिश्र, अरविंद दुबे, आनन्द दुबे, इम्तेयाज खान, नीलेश राउत, संतोष तरे, सुनील त्रिपाठी आदि ने पुष्पगुच्छ देकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। छायांकन : उत्तरशक्ति

भिवंडी पूर्व विधानसभा शिवसेना प्रत्याशी संतोष शेट्टी के चुनाव जनसंपर्क कार्यालय का हुआ भव्य उद्घाटन

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी । भिवंडी पूर्व विधानसभा के शिवसेना (शिंदे गुट) प्रत्याशी संतोष शेट्टी के चुनावी जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन पूर्व केन्द्रीय मंत्री कपिल पाटिल व ठाणे लोकसभा सांसद नरेश म्हस्के के हाथों कल्याण नाका स्थित मंगलमूर्ति हाल के बाजू में भव्य तरीके से किया गया । बतादें कि शिवसेना , राकापा , आरपीआई , महायुति के भिवंडी पूर्व विधानसभा के उम्मीदवार संतोष शेट्टी के चुनावी कार्यालय के उद्घाटन के अवसर बोलते हुये पूर्व मंत्री कपिल पाटिल ने कहा कि भिवंडी में विकास विकास की गति महायुति के कारण बढी है उस गति को और बढाना है अब 36 की संख्या 69 हो गयी है इस संख्या को बढाने के लिये वोटिंग प्रतिशत बढाना है जिसके लिये सभी कार्यकताओं को अभी से काम पर लगना होगा । वहीं शिवसेना प्रत्याशी संतोष शेट्टी ने कहा कि भाजपा में मेरे द्वारा किये गये कार्यों का नतीजा है जो मुझे शिवसेना शिंदे गुट ने एक सुनहरा मौका है वहीं पूर्व विधायक रुपेश म्हात्रे ने बडे भाई की भूमिका निभाई और बडा दिल करके शहर के विकास के लिये मेरे साथ खडे हुये हैं पूर्व में मेरे द्वारा हुयी गलतियों के लिये मैं माफी मांगते हुये वचन देता हूँ भविष्य में आपके इस कर्ज को जरुर चुकाऊंगा । ठाणे लोकसभा के सांसद नरेश म्हस्के ने कहा कि यह धर्म युद्ध है हर कार्यकर्ता को एक सैनिक की तरह काम करना होगा । भिवंडी में भगवा फहराने का आखिरी मौका है भिवंडी को ठाणे जैसा बनाना है तो महायुति के उम्मीदवार को जिताना होगा और मुंबई के पार्सल को मुंबई भेजना होगा संतोष शेट्टी यहां का स्थानीय है । वहीं रुपेश

म्हात्रे ने कहा कि मैं जहां भी रहा था ईमानदारी से रहकर पार्टी को बढाया हूँ आखिरी समय में मुझे धोखा दिया गया । मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुझसे अपील कर मदद का हाथ बढाया और भिवंडी के विकास का वादा किये जाने पर मैं उनके साथ आ गया जिससे कि मतों का विभाजन न हो और भिवंडी से बाहरी व्यक्ति को भगाना है और भिवंडी भगवामय बनाना में हमारी पूरी टीम ईमानदारी से संतोष शेट्टी के साथ खड़ी है । इस अवसर पर शिवसेना शिंदे गट, आर पी आई, राष्ट्रवादी, भाजपा आदि महायुति के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नील किरीट सोमैया को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

मुंबई (उत्तरशक्ति)। रविवार को वार्ड नं 108 माजी नगरसेवक व भाजपा प्रवक्ता डॉ.नील किरीट सोमैया को जन्मदिन पर उनके जनसंपर्क कार्यालय नीलम नगर, मुलुंड (पूर्व) मुंबई शॉल, पुष्पगुच्छ देकर जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी गई। इस मौके पर सुखबिंदर सिंह (लाला भाई), देवदास मुरंजन समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

विकास के लिए महायुति की सरकार जरूरी: रविन्द्र चव्हाण

डोंबिवली(उत्तरशक्ति)। डोंबिवली सीट से महायुति के उम्मीदवार और बीजेपी नेता रवींद्र चव्हाण ने एक सम्मेलन के दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि महाराष्ट्र में महायुति सरकार लाना जरूरी है ताकि राज्य में विकास की गंगा बहती रहे। साथ ही चव्हाण ने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुआ कहा कि महायुति के प्रत्येक प्रत्याशी को चुनकर लाने के लिए दिन-रात कड़ी मेहनत करें। बतादें कि कल्याण ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र के महायुति के उम्मीदवार राजेश मोरे और रवींद्र चव्हाण के प्रचार के लिए रविवार को डोंबिवली पश्चिम में शिवसेना, भाजपा, राष्ट्रवादी रिपाई महायुति की ओर से एक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में कल्याण के सांसद डॉ.श्रीकांत शिंदे, एनसीपी अजित गुट के जिल्हाध्यक्ष जगन्नाथ शिंदे, आरपीआई के जिल्हाध्यक्ष प्रल्हाद जाधव सहित बड़ी संख्या में महायुति के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अमरजीत सिंह के समर्थन में उतरे मंत्री और भोजपुरी फिल्मी कलाकार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव धीरे-धीरे रोमांचक होता जा रहा है।

लोकसभा चुनाव में महाविकास आघाड़ी को मिली भारी जीत से सत्ताधारी पार्टी महायुति मासूस हो गई थी, लेकिन चुनाव प्रचार में जनता से मिल रहे प्रतिसाद ने महायुति में जान फूंक दी है। मुंबई में महायुति उम्मीदवारों को जिताने के लिए केंद्रीय मंत्री, दूसरे राज्यों के मंत्री और नेता चुनाव प्रचार में लगे हुए हैं।कालीना विधानसभा में महायुति के उम्मीदवार अमरजीत सिंह के समर्थन में केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान और उत्तर प्रदेश के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के साथ भोजपुरी फिल्म के जाने-माने कलाकार संजय पांडेय और ऱटाइगरऱ नाम से मशहूर मनोज सिंह ने चुनाव प्रचार किया और अमरजीत सिंह को जिताने की अपील की।

अमरजीत सिंह के चुनाव प्रचार के दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने कहा कि कालीना विधानसभा की जनता बदलाव चाहती है।

मुझे पूरा विश्वास है कि जनता महायुति के उम्मीदवार को विधानसभा भेजकर राज्य में एक बार फिर महायुति की सरकार बनाएगी।

उत्तरप्रदेश की योगी सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि कालीना विधानसभा क्षेत्र का विकास महायुति सरकार में संभव है। महायुति की सरकार बनाने के लिए अमरजीत सिंह की जीत जरूरी है। चुनाव प्रचार में आरपीआई , शिवसेना और भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता घर -घर जाकर केंद्र और राज्य सरकार के विकास कार्य और योजनाओं को बता रहे हैं।

दत्ता गवली, महेश गायकवाड़ रैली में दिखे एक साथ

दत्ता गवली के आने से महेश की जीत की चर्चा सुरु

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनावी मैदान में उतरे शिवसेना के पूर्व नेता महेश गायकवाड ने अपना प्रचार अभियान तेज कर दिया है। बतादे की महेश गायकवाड़ को दत्ता गवली का समर्थन मिलने से

मलंग गढ़ चक्की नाका परिसर में और भी ताकत बढ़ी है । रविवार को कल्याण पूर्व में महेश गायकवाड़ , दत्ता गवली और दिलीप दाखिनकर के साथ गली-गली घूमकर मतदाताओं से सीधे संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है। रविवार को महेश गायकवाड ने चक्की नाका रचना पार्क परिसर से प्रचार अभियान का शुरूआत की। इस दौरान महेश गायकवाड ने कहा कि मेरे प्रचार में बड़े नेता नहीं है लेकिन आम जनता की ताकत मेरे साथ है। बतादें कि महेश गायकवाड को लोगों का समर्थन भी मिल रहा है। जैसे कि कल्याण पूर्व के प्रसिद्ध उद्योगपति दत्ता गवली ने भी महेश गायकवाड को समर्थन दिया है। महेश गायकवाड के साथ दत्ता गवली भी प्रचार रैली में नजर आ रहे हैं। एक समय था जब दत्ता गवली विधायक गणपत गायकवाड के करीबी माने जाते थे। चक्की नाका, चेतना सहित मलंगगढ़ परिसर में उनकी अच्छी पकड़ है, इसलिए दत्ता गवली के साथ आने से महेश गायकवाड की ताकत बढ़ी है ऐसी चर्चा राजनीतिक गलियारों में चल रही है।

श्री कुमावत क्षत्रिय विकास संगठन मुम्बई की तरफ से दीपावली मिलन समारोह सम्पन्न

राजेश वर्मा

मुंबई(उत्तरशक्ति)। मलाड पूर्व में श्री कुमावत क्षत्रिय विकास संगठन मुम्बई द्वारा दिपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया था। इस मिलन समारोह में कुमावत क्षत्रिय विकास संगठन मुम्बई की तरफ से समाज के जिनके बच्चे पढ़लिख कर जो इंजीनियर, डॉक्टर, सीए, बन गए है और अन्य क्षेत्रों में काम कर रहे है। उनका सम्मान चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। जो बच्चे 10 वीं-12वीं में अच्छे अंकों से पास हुए है उन्हें मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिन जोड़ो का वैवाहिक जीवन 35 साल से ज्यादा हो चुका है, कई लोगो को भी संस्था की तरफ से सम्मानित किया गया। संस्था के अध्यक्ष ओमप्रकाश कुमावत ने बताया की हर वर्ष दीपावली के आसपास मिलन समारोह सम्मेलन रखा जाता हैं। संस्था के अध्यक्ष ओमप्रकाश

कुमावत ने पत्रकार राजेश वर्मा का, साल श्री फल और गुलदस्ता देकर स्वागत किया। यह संस्था, गरीब, बेसहारा, कोई ज्यादा बीमार है और पैसे नहीं होने के कारण इलाज नहीं करवा पा रहा है तो यह संस्था उन लोगों की विशेष रूप से मदत करती है। यह संस्था सामाजिक कार्य करने में हर समय तत्पर रहती है। श्री कुमावत क्षत्रिय विकास संगठन मुम्बई के अध्यक्ष ओमप्रकाश कुमावत ,सचिव हीरा लाल वर्मा, कोषाध्यक्ष उमाशंकर कुमावत, उपाध्यक्ष महावीर वर्मा,उप सचिव धीरज वर्मा,सह कोषाध्यक्ष रतन वर्मा,कमेटी मेंबर महेश कुमार चेजारा,बाबूलाल गोडिला मुकेश कुमार लछमन कुमावत विद्याधर, इत्यादि लोगो ने कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष योगदान दिया।

बच्चों के लिए किलबिल फेस्टिवल का आयोजन

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। प्रतिवर्ष की भांति डोंबिवली में डोंबिवलीकर प्रतिष्ठान द्वारा बच्चों के लिए किलबिल फेस्टिवल का आयोजन गया। डोंबिवली के रेलवे मैदान में आयोजित इस किलबिल फेस्टिवल में डोंबिवली के हजारों बच्चों ने खूब आनंद लूटा। निर्देशक दिगपाल लांजेकर द्वारा निर्मित ऱसंत ज्ञानेश्वरांची मुक्ताईऱ इस मराठी फिल्म में मुक्ताई की मुख्य भूमिका निभाने वाली इश्मीता जोशी, और संत ज्ञानेश्वर की भूमिका निभाने वाले मानस बेडेकर इन बाल कलाकरों के हाथों फेस्टिवल का उदघाटन किया गया। वैसे तो डोंबिवली में वर्षभर अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम किए जाते है, इसलिए डोंबिवली को सांस्कृतिक नगरी भी कहते है। इसी तरह छोटे

बच्चों की कला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डोंबिवलीकर प्रतिष्ठान बीते 12 वर्षों से किलबिल फेस्टिवल का आयोजन कर रहा है। इस साल आयोजित फेस्टिवल में भी बच्चों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया और फेस्टिवल का जमकर आनंद लिया। बच्चों ने चित्रकला, टैटू, मिट्टी के बरतन बनाना जैसे हुनर सीखने का प्रयास किया। इसके अलावा जम्पिंग मूनवॉक, ड्रामा, जादू के प्रयोग जैसे कई उपक्रम फेस्टिवल में किए गए।

नागरी संरक्षण दल पालघर द्वारा आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत भीम नगर में स्थित चिराग विद्यालय में आपत्ति व्यवस्थापन के नागरी संरक्षण दल पालघर की ओर से स्वयंसेवकों के लिए आयोजित पांच दिवसीय प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर शुक्रवार 8 नवंबर 2024 को सम्पन्न हो गया। नागरी संरक्षण दल पालघर की ओर से आयोजित इस 5 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दौरान अग्निशमन दल के अधिकारी रोशन पाटील व टाटा स्टील के सुरक्षा अधिकारी महेश कुमार, कुणाल बारी ने अग्निशमन, आग व आग के प्रकार व बचाव विषय पर संपूर्ण जानकारी दी । प्रशिक्षण शिविर के दौरान क्लास की जिम्मेदारी पुरुष वर्ग के नितिन परब व महिला वर्ग की सोनाली सोनी ने बखूबी निभाई। प्रशिक्षण शिविर के आखिरी दिन नए स्वयंसेवको का पाठ्यक्रम संबंधी आपात कालीन व सुरक्षा विषय पर परीक्षा आयोजित की गई। नागरी संरक्षण दल पालघर की ओर से आयोजित इस 5 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में अध्यक्षा संगिता नरेश पाटील (ट्रस्ट - चिराग विद्यालय व सरावली ग्राम पंचायत सदस्य)व प्रमुख अतिथि काशीनाथ कुरकुटे (उपनियंत्रक नागरिक संरक्षण दल पालघर), विशेष अतिथियों में नरेश महस्के (विभागीय अधिकारी डहाणू) व निलेश वझे (विभागीय अधिकारी पालघर वाडा), शैलेंद्र मिश्रा (पूर्व मानसेवी अधिकारी) उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का सूत्र संचालन शिक्षिका स्मिता मालवदे ने किया तथा प्रशिक्षण शिविर की अयोजिका मेघना वैराल शिविर को सफल बनाने हेतु सभी प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षणार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया।नागरी संरक्षण दल पालघर द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में पालघर जिले के कई गणमान्य उपस्थित रह कर प्रशिक्षण पूरा किया। जिसमें तलासरी, दहानू, सफाले,पालघर,तारापुर- चिंचणी, बोईसर के महिला, पुरुष व विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।कार्यक्रम के अतिथि नरेश महस्के ने आपत्ती व्यवस्थापन प्रशिक्षण के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी व निलेश वझे ने नागरी सुरक्षा के महत्त्व के बारे में जानकारी दी तथा काशीनाथ कुरकुटे (उपनियंत्रक) ने प्रथमोपचार, सुरक्षा व अग्निशमन सेवा, एडवांस पाठ्यक्रम पर विस्तृत जानकारी प्रदान की।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* संरक्षकः सुरेश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

मुकदमे में सुलह कर पत्नी व पुत्री को ले गया घर, फिर मारपीट कर निकाला

रियाजुलहक क्राइम रिपोर्टर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। दीवानी न्यायालय में चल रहे घरेलू हिंसा व भरण पोषण के मुकदमे में पति सुलह समझौता के बाद पत्नी व पुत्री को घर ले गया। पत्नी को ससुराल में पता चला कि पति ने दूसरी शादी कर ली है। केवल मुकदमा खत्म करने के लिए सुलह समझौता करके घर ले गया था।दूसरी पत्नी की जानकारी होने पर पत्नी के विरोध पर दोबारा पति ने अपनी पत्नी व पुत्री को मारपीट कर घर से निकाल दिया। पति ने पुलिस अधीक्षक के समक्ष न्याय की गुहार लगाया एस पी के आदेश से बदलापुर थाने में पति के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ। एफआईआर की कॉपी कोर्ट में प्रस्तुत की गई। श्रृंखला शुक्ला निवासी तेजीबाजार ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र दिया कि उसका विवाह अतुल शुक्ला निवासी बदलापुर से 2015 में हुआ था। विवाह के बाद पति व ससुराल वाले दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित करते थे। 2020 में उसे व उसकी पुत्री को मारपीट कर घर से निकाल दिए। उसने घरेलू हिंसा, दहेज एवं भरण पोषण का मुकदमा दीवानी न्यायालय में पति के खिलाफ किया। मुकदमे में पति के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी होने पर वह कोर्ट में हाजिर हुआ और कोर्ट के समक्ष 10 अगस्त 2024 को सुलह समझौता करके उसे व पुत्री को घर ले गया। इसके बाद सोनभद्र चला गया। उसको फोन लगाने पर एक महिला ने फोन उठाया और कहा कि मैं अतुल की विवाहिता पत्नी रोमा हूं। पूछने पर उसने बताया कि उसका व अतुल का विवाह सभी रिश्तेदारों के समक्ष फरवरी 2023 में ही हो गया है। अतुल से पूछने पर उसने बताया कि उसने रोमा से दूसरा विवाह कर लिया है। विरोध करने पर उसे व उसकी पुत्री को मारपीट कर घर से निकाल दिया। वादिनी व उसकी पुत्री मायके में किसी तरह गुजर बसर कर रहे हैं। उसने पुलिस अधीक्षक से कार्रवाई की मांग किया। एसपी के आदेश से थानाध्यक्ष बदलापुर ने दोषी पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कापी न्यायालय में दाखिल किया।

एसपी के आदेश पर मुकदमा दर्ज, कापी कोर्ट में दाखिल

चौबीस घंटे के भीतर गुमशुदा बच्चा सकुशल मिल जाने से परिजनों में खुशी

◆ जनपद पुलिस हो रही है सरहाना

प्रियेश गुप्ता रुद्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा गुमशुदा बच्चों की बरामदगी के संबन्ध में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी बदलापुर के निकट पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष महाराजगंज ओमप्रकाश पाण्डेय द्वारा आज दिनांक 09.11.2024 को विशेष सक्रियता दिखाते हुए त्वरित कार्यवाही करते हुए 13 वर्षीय गुमशुदा बालक अभय सिंह पुत्र राजेश सिंह निवासी ऐली परसौली थाना उमरी बेगमगंज जिला गोण्डा हाल पता ननिहाल ग्राम रामनगर उपधान थाना महराजगंज जिला जौनपुर को अन्दर 03 घण्टे बरामद कर लिया गया। उपरोक्त बालक 09.11.2024 को दिन में समय 12.30 बजे अपनी नानी के ग्राम रामनगर उपधान थाना महाराजगंज जनपद जौनपुर से बिना बताये कहीं चला गया था।

जिसके संबन्ध में परिजनों द्वारा समय शाम 17.00 बजे थानाध्यक्ष महाराजगंज को सूचित किया गया तत्काल प्रभावी कार्यवाही करते हुए थानाध्यक्ष महाराजगंज त्वरित टीम बनाकर गुमशुदा बालक की तलाश में लग गये एवं आधुनिक तकनीकि मीडिया प्लेटफार्म शोसल प्लेटफार्म एवं पत्रकारों के मीडिया ग्रुप एवं पुलिस मीडिया का सहयोग लेकर थाना क्षेत्र जनपद व बाह्य जनपदों में सूचना प्रेषित कर सम्भावित रास्तों में सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन करते हुए क्षेत्र के कस्बा, सडक, किनारे दुकानदारों, राहगीरों से पूछताछ करते हुए,सघन अभियान चलाकर न्यूनतम समय में गुमशुदा बालक को बदलापुर रेलवे स्टेशन के पास सकुशल बरामद कर लिए एवं आवश्यक लिखा पढी के पश्चात गुमशुदा बालक के परिजन पिता को आवश्यक दिशा निर्देश देकर सुपुर्द कर दिए। पुलिस के इस सराहनीय कार्य से पुलिस की जनता में खूब प्रशंसा हो रही है।तथा पुलिस की छवि निखरी है एवं आम जनता का पुलिस के प्रति विश्वास बढा है।

उत्तर प्रदेश उद्यान अधिकारी एसोसियेशन की महासचिव बनी जौनपुर की उद्यान अधिकारी सीमा सिंह राणा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश उद्यान अधिकारी एसोसियेशन का द्विवार्षिक चुनाव हुआ सकुशल सम्पन्न बलजीत सिंह अध्यक्ष तो महासचिव सीमा सिंह राणा बनी उत्तर प्रदेश उद्यान अधिकारी एसोसियेशन का द्विवार्षिक चुनाव संपन्न हुआ, जिसमें बलजीत सिंह, उप निदेशक उद्यान, अलीगढ़ को अध्यक्ष चुना गया जबकि महासचिव के पद पर श्रीमती सीमा सिंह राणा, जिला उद्यान अधिकारी, जौनपुर को निर्वाचित किया गया। उक्त निर्वांचन में महासचिव पद हेतु टोटल 71 उद्यान अधिकारीओ और उपनिदेशक के वोट पड़े जिसमे सीमा सिंह राणा को 50 भूषण प्रसाद को 21 वोट मिले।

नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर उमेश चंद्र उत्तम राजकीय उद्यान, प्रयागराज रहे निर्विरोध और उपाध्यक्ष के पद पर चुने गए, मुकेश कुमार, उप निदेशक उद्यान, कानपुर तथा सचिव के रूप में दिनेश चौधरी, जिला उद्यान अधिकारी, बहराइच को मनोनीत किया गया। कोषाध्यक्ष का पद जयराम वर्मा, जिला उद्यान अधिकारी, रायबरेली को सौपा गया। संगठन सचिव के रूप में सुनील कुमार, जिला उद्यान अधिकारी, बदायूँ और श्याम सिंह, जिला उद्यान अधिकारी, इटावा को चुना गया है। श्रीमती राणा को महासचिव बनने पर जौनपुर उद्यान विभाग के कर्मचारियों और कार्यालय के अन्य लोगो ने बधाई दी है।

राजकीय आईटीआई कालेज में शनिवार को भी बंद रहा ताला, बच्चे रहे नदारद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी के आदेश के बावजूद भी सिद्धिकपुर में बने राजकीय आईटीआई कॉलेज में ताला बन्द करके कर्मचारी आराम फरमा रहें

◆ जिलाधिकारी के आदेश के बावजूद नहीं खुला कॉलेज

थे।बीते दिनों जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री के आदेश पर दीपावली की छुट्टी का आदेश दिया था और यह भी निर्देश दिया था कि इस महीने में पड़ने वाले दूसरे शनिवार की छुट्टी को रद्द कर के सरकारी दफ्तर और अन्य संस्थान सामान्य दिनों की तरह खुले रहेंगे। जिलाधिकारी के आदेश पर सभी सरकारी कार्यलाय खुले रहें। पर वहीं दूसरी तरफ सिद्दीकपुर में बने राजकीय आईटीआई कॉलेज पर ताला लटका रहा है।उक्त आईटीआई कॉलेज के एक कर्मचारियों सुनील प्रजापति ने बताया कि डीएम का आदेश कॉलेज खोलने का आया था, लेकिन कॉलेज क्यों नहीं खुला इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। सुनील प्रजापति ने यह भी बताया कि डीएम के आदेश का लेटर भी कॉलेज

के ग्रुप में है। उसके बाद भी कॉलेज बन्द रहा। वही दूसरे कर्मचारी अजीत यादव ने बताया कि कार्यालय तो खुला रहा लेकिन कॉलेज में छात्र नहीं दिखे। किस लिए कॉलेज में बच्चे और और कर्मचारी नहीं है। इसकी जानकारी उन्हें नहीं है लेकिन कॉलेज खुलने का मैसेज ग्रुप में आया हुआ था। इस बाबत पूछने पर उत्तरशक्ति के संवाददाता को प्रिंसिपल मनीष कुमार पाल ने फोन पर बताया कि वह छुट्टी पर है और कार्यवाहक प्रिंसिपल अखिलेश सिंह है।अखिलेश सिंह से कोई संपर्क नहीं हो पाया।

मछलीशहर में एक बार फिर डॉक्टर बने मरीजों के लिए काल

◆ केवला पाली क्लीनिक में इलाज के दौरान महिला की मौत
◆ परिजनों ने क्लीनिक पर जमकर किया हंगामा व तोड़फोड़
◆ आयुर्वेद के रजिस्ट्रेशन पर संचालित हो रहा है हॉस्पिटल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर कस्बा के मुंगराबादशाहपुर तिराहे पर स्थित डॉ.केवला पाली क्लिनिक में 3 दिन से भर्ती एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गयी। क्लीनिक में भर्ती महिला की इलाज के दौरान मौत हो जाने पर परिजनों ने जमकर हंगामा किया।

जानकारी के अनुसार हंगामे के दौरान हास्पिटल में तोड़फोड़ भी की गई।बता दें कि पवांरा थाना क्षेत्र के सरायबीका गांव निवासी भुवाल गौतम की पत्नी गीता देवी उम्र लगभग 45 वर्ष की तबीयत खराब होने के कारण उपचार के लिए केवला पाली क्लीनिक में भर्ती कराया गया था।जहां पर 3 दिन से उसका इलाज उक्त क्लीनिक में चल रहा था कि शनिवार रात्रि लगभग 9:00 बजे गीता देवी की मौत हो गई। मौत के बाद गुस्साए परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा और क्लीनिक में तोड़फोड़ शुरू कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार उक्त क्लीनिक का रजिस्टेशन आयुर्वेद से है और उक्त क्लिनिक को केवला प्रसाद विश्वकर्मा चलाते है। लेकिन बाहर बोर्ड पर ऊनके बेटे और बहू की डिग्री लिखी हुई है परंतु उक्त आयुर्वेद से रजिस्टर्ड क्लिनिक को संचालक व डॉक्टर दोनों मरीजो से पैसे कमाने के चक्कर मे जबरदस्ती भर्ती करके इलाज के नाम पर मरीजों का शोषण करते है। जबकि आयुर्वेद के चिकित्सक होने के कारण मरीजों का इलाज जबरन एलोपैथ की दवाओं से करते है इसी वजह से शनिवार

को एक महिला गलत इलाज की वजह से 45 वर्षीय गीता देवी खत्म हो गई। घटना की जानकारी होने पर मछलीशहर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई काफी समझाने बुझाने के बाद परिजनों ने हंगामा करना बंद कर वहीं धरने पर बैठ गए हैं। मछलीशहर कोतवाली पुलिस ने मृतक महिला के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दूसरी तरफ सूत्र बताते हैं कि परिजन अस्पताल पर बड़ी लापरवाही बरतने का आरोप लगा रहे है तथा दोनों पक्षों के बीच 40000 में समझौते की भी बात सामने आ रही है। इस संबंध में पूछे जाने पर हॉस्पिटल के संचालक डॉक्टर केवला प्रसाद विश्वकर्मा ने बताया कि मरीज के परिजनों से सुलह की बात की जा रही थी। सुलह की बात कितना सही है इसकी कोई खास जानकारी नहीं हो पाई और इस बावत सीएमओ जौनपुर डॉ.लक्ष्मी सिंह ने कहा कि मामले की जानकारी हुई है, जाँच कराकर अस्पताल के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी तथा किन परिस्थितियों में महिला की मौत हुई है इसकी भी जांच की जाएगी। सीएमओ ने आगे कहा की मीडिया के माध्यम से मामले की जानकारी हुई है पूरे मामले पर जांचकर कार्यवाई की जाएगी।

ससुर व देवर की पिटाई से महिला जख्मी

विशाल सोनी, शाहगंज/सुइथाकला(जौनपुर) सरपतहां थाना क्षेत्र के भिवरहां गांव निवासिनी महिला अपने ही ससुर व देवर पर पिटाई करने का आरोप लगाया। पुलिस महिला का चिकित्सकीय परीक्षण कराते हुए मामले की छानबीन शुरू कर दी है। मालूम हो कि उक्त गांव निवासिनी सुमन यादव पत्नी दिनेश यादव का आरोप है कि शुक्रवार शाम वह किसी बात को लेकर अपने बेटे को डांट-फटकार रही थी। इसी बीच उसके ससुर व देवर ने उसकी पिटाई कर दी। मामला थाने में जाने के बाद पुलिस उक्त महिला का स्थानीय सीएचसी पर चिकित्सकीय परीक्षण कराते हुए मामले में आवश्यक कर रही है। इस सम्बन्ध में प्रभारी थानाध्यक्ष रितेश द्विवेदी ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर मामले की जांचकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

अब नए शेड्यूल से चलेगी बीएचयू गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी की ओ.पी.डी.!

डॉ. एस.के. मिश्र, वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के आईएमएस बीएचयू के गैस्ट्रोइंट्रोलाजी विभाग की ओपीडी अब नए शेड्यूल से चलाई जाएगी। इसका आदेश चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय की ओर से जारी कर दिया गया है। नए शेड्यूल के मुताबिक विभागाध्यक्ष डा. देवेश प्रकाश यादव सोमवार से शुक्रवार, मंगलवार को डा. अनुराग कुमार तिवारी, डा.एसके शुक्ला बुधवार, डा.विनोद कुमार की ओपीडी गुरुवार को चलेगी।आने वाले जो मरीज है आप अपनी सुविधा के हिसाब से अपने मन चाहे डॉ.अब दिखा सकते है।

केराकत में कमरों का ताला तोड़कर लाखों के नकदी जेवरात चोर लेकर हुए रफूचक्कर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।केराकत कोतवाली क्षेत्र के ब्राह्मणपुर गांव में बीती रात चोरों ने घर के चार कमरों का ताला तोड़कर लाखों रुपए के जेवरात समेत नगदी लेकर फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई। बताते है कि राजेंद्र प्रसाद यादव रोज की भांति खाना खाकर परिवार समेत सो गए चोर आधी रात बाद घर के पीछे लगे जंगले के सहारे छत पर चढ़ सीढ़ियों के सहारे आंगन में उतर घर के चारों कमरों का ताला तोड़कर कमरे में रखे बॉक्स,गोदरेज अलमारी, सात छोटा बॉक्स में रखा सोने का एक मंगलसूत्र, एक सिकड़ी, एक झुमका, चांदी का एक मीना, तीन जोड़ी पायल, लगभग पन्द्रह सौ रुपए लेकर फरार हो गए। सुबह जब परिजनों की नींद खुली तो घर के अंदर जाकर देखा तो चारों कमरे का दरवाजा खुला होने के साथ ही सामान बिखरा देख पैरो तले से जमीन खिसक गई। जिसकी जानकारी घर के अन्य सदस्यों को देने के बाद आस-पास खोजबीन की गई मगर कही कुछ पता नहीं चला। जिसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई सूचना पाकर मौके पर पहुंची।

लक्ष्मण ने सूपर्णखा की काटी नाक, सीता को हर ले गया रावण

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)।शाहगंज स्थानीय क्षेत्र के बीबीगंज चौकी क्षेत्र के गोड़िला फाटक बाजार में श्री बजरंग नवयुवक रामलीला समिति के छठवें दिन समारोह के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश राज्य के केसीसी बिल्डकॉन कंपनी के सीओ राकेश गुप्ता रहे। रामलीला में सुपर्णखा की नाक कटने, खर–दूषण वध व सीता हरण लीला का मंचन किया गया जिसे देख दर्शक भाव–विभोर हो गये। इसके पहले रामलीला का शुभारम्भ बाबा भोलेनाथ की आरती के बाद किया गया जिसमें दिखाया गया कि राम-लक्ष्मण सीता सहित वन चले जाते हैं। जब भरत को यह पता चलता है तो वह माता केकैयी के पास जाते हैं और उन्हें बुरा भला बोलते हैं। कहते हैं कि मुझे राज्य नहीं चाहिए। मुझे भाई राम चाहिए। तब माता कैकेयी बताती हैं कि मन्थरा ने उन्हें भड़का दिया था। भरत भगवान राम को ढूढ़ने के लिए वन की ओर चले जाते हैं जहां भगवान मिलते हैं। भरत कहते हैं कि भैया आप अयोध्या चलकर राजकाज सम्भाले। राम के समझाने पर भरत भगवान राम की खड़ाऊ सिर लेकर अयोध्या वापस आते हैं और राजगद्दी पर खडाऊ रखकर राजकाज में लग जाते हैं। उधर वन में सूपर्णखा राम-लक्ष्मण और सीता को देख लेती है और राम को मोहित करते हुए कहती है कि आप मुझसे विवाह कर लें लेकिन राम उसके छल-कपट को पहचान कर अनुज लक्ष्मण के पास भेज देते हैं। लक्ष्मण के विवाह से इनकार करने पर वह क्रोधित होकर अपने असली राक्षसी रूप में प्रकट हो जाती है। राम का संकेत पाते ही लक्ष्मण उसके नाक कान काट देते हैं। नाक कटने के बाद वह खर-दूषण के पास जाती है और सारी आपबीती बात बताती है। इसके बाद खर-दूषण राम-लक्ष्मण से युद्ध करने आते हैं परन्तु दोनो ही मारे जाते हैं। इसके बाद सुपर्णखा रोते हुये रावण के पास पहुंचती है और कहती है– अरे मूढ़ मदपान कर सोता है दिन–रात, शत्रु शीष पर आ गया।नहीं तुझे क्या ज्ञात? इसके बाद सुपर्णखा पूरी बात रावण को बताती है। खर-दूषण के वध के बारे में भी बताती है। तब रावण सुपर्णखा के अपमान का बदला सीता हरण कर-के लेने को कहता है। रावण मामा मारीच को स्वर्ण मृग बनाकर भेजता है। जब राम-लक्ष्मण उस मृग को मारने के लिए जाते हैं तब रावण साधू वेश धारण कर छल कपट के द्वारा सीता का हरण करके लंका ले आता है। मंचन में राम का पाठ अनूप श्रीवास्तव, लक्ष्मण का पप्पू शर्मा, सीता का सुजीत गुप्ता, रावण का सूरज साहू, रावण पुत्र खर-दूषण का अनूप जायसवाल, सुरेश गुप्ता व बिंद गुप्ता ने किया। मंचन के दौरान रामलीला समिति के अध्यक्ष रोहित गुप्ता, उपाध्यक्ष अनूप जायसवाल, निर्देशक राजेश गुप्ता, रमाशंकर गुप्ता, शशिकांत विश्वकर्मा, प्रियांशु गुप्ता, सन्तोष भारती, वीरेंद्र यादव, शुभम यादव, जगत नारायन गुप्ता, सतेन्द्र चौहान, अंगद गुप्ता, आकाश साहू, सुरेश गुप्ता, सुनील विश्वकर्मा, बृजेश विश्वकर्मा, राम उदार विश्वकर्मा, मिथिलेश प्रजापति, सुमित गुप्ता सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

फर्जी दस्तावेजों के सहारे 35 बीघा जमीन अपने नाम कराने का हुआ खुलासा, मचा हड़कंप

इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के भदेठी गांव निवासी एक व्यक्ति जो सिंगापुर का बड़ा कारोबारी उद्योगपति है ने खेतासराय क्षेत्र के मानीकला गांव में फर्जी दस्तावेज तैयार कर करीब 35 बीघा भूमि कब्जा करने का प्रयास किया था। न्यायालय के आदेश पर इस मामले की जांच जौनपुर के चकबंदी बन्दोबस्त अधिकारी की देखरेख में बनी तीन सदस्यीय टीम ने की थी। जांच टीम ने भूमि पर कब्जा करने का प्रयास करने वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने की संस्तुति की है। इसके साथ ही प्रदेश के चकबंदी आयुक्त ने चार नवंबर को इस मामले में एफआईआर दर्ज कर विधिक कार्रवाई करने का आदेश भी जौनपुर जिलाधिकारी को दिया है।

सिंगापुर के बड़े कारोबारी

इस बाबत पूछे जाने पर थानाध्यक्ष खेतासराय रामाश्रय राय ने बताया कि प्रकरण संज्ञान में नहीं है और न किसी व्यक्ति या राजस्व कर्मचारी या लेखपाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की तहरीर भी नहीं मिली है। समाचार पत्रों के द्वारा मामला प्रकाश में आया है। जैसे ही कोई पत्र या तहरीर मिलेगी तो आवश्यक कार्यवाही कर उसकी जानकारी मीडिया को दी जाएगी। आप को बताते चले की धनबल व बाहुबल का उपयोग करके 21 दिसंबर 1993 को आज से लगभग 31 वर्ष पूर्व उक्त कारोबारी ने चकबंदी कर्मचारियों और लेखपाल को मिला करके मानी कला गांव में 35 बीघा जमीन कूट रचित दस्तावेज जारी कर अपने नाम करवा ली थी इसका खुलासा तीन सदस्य टीम ने अपनी आख्या में किया रिपोर्ट में बताया गया कि तत्कालीन राजस्व अधिकारीओ और कर्मचारियों की मिली भगत से यह कार्य प्रतिपादित हुआ। उप संचालक चकबंदी डीडीसी के द्वारा फर्जी दस्तावेजों के सहारे एक मुकदमा दर्ज कर उच्च न्यायालय से आदेश भी करवा लिया था जब इस जमीन के असली मालिक वह इस पर खेती कर रहे व्यक्ति को इस बात का पता चला तो उसने इसका न्यायालय में विरोध किया।

गोपाष्टमी के अवसर पर गायों को कराया पंचगव्य-पंचामृत से स्नान, 21 वैदिक और 111 बटुकों ने किया पूजन

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। कार्तिक शुक्ल पक्ष की अष्टमी पर परंपरा के अनुसार गो पूजन हुआ। धर्मसम्राट स्वामी करपात्री महाराज की तपोभूमि धर्मसंघ परिसर में विधि-विधान से गोपूजन हुआ। 21 वैदिक ब्राह्मण और 111 बटुकों ने शुक्ल यजुर्वेद के मंत्रोच्चार के साथ षोडशोपचार विधि से गो पूजन किया। आरती के बाद श्रद्धालुओं ने गायों की प्रदक्षिणा की। दुगार्कुंड स्थित धर्मसंघ प्रांगण परिसर में शनिवार को स्थापित स्वामी करपात्री आदर्श गोशाला में सुबह सात बजे धर्मसंघ महामंत्री पं. जगजीतन पांडेय ने सविधि पूजन अर्चन प्रारंभ किया। धर्मसंघ पीठाधीश्वर स्वामी शंकरदेव चैतन्य ब्रह्मचारी महाराज के सानिध्य में 21 वैदिक ब्राह्मणों और 111 बटुकों ने सर्वप्रथम गौरी-गणेश पूजन और सूर्य पूजन कराया। भगवान विष्णु के पूजन के बाद गोपूजन किया गया। गोपाष्टमी पर पूजन के पूर्व गोशाला की देशी गाय, साहीवाल, गंगातीरी, गिर गायों को पंचगव्य और पंचामृत स्नान कराया गया। अंत में आरती कर उनकी प्रदक्षिणा की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

गोमाता ही सृष्टि की उद्धारक:- गोपूजन के उपरांत धर्मसंघ के महामंत्री पं. जगजीतन पांडेय ने गोसेवकों को संदेश देते हुए कहा कि धर्मसम्राट स्वामी करपात्री जी का पूरा जीवन गो सेवा के लिए समर्पित रहा। श्री काशी सुमेरु पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती महाराज ने आदि शंकराचार्य महासंस्थानम्न्यास द्वारा संचालित गोशाला में गो माता का विधि-विधान से पूजन किया। उन्होंने कहा कि गाय माता की सेवा से परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। देश के सात लाख गांवों में स्थापित होगा गोध्वज गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए काशी से 36 प्रदेशों में गोध्वज स्थापित होंगे। आने वाले समय में देश के सात लाख गांवों में गोध्वज प्रतिष्ठा की जाएगी। गोपाष्टमी के मौके पर ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने 36 प्रदेशों के गो प्रतिनिधियों को गोध्वज के साथ विद्यामठ से रवाना किया। श्री विद्यामठ में शंकराचार्य ने गोरक्षा आंदोलन के बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। गोशालाओं में पूजी गईं गो माता गोपाष्टमी पर गोशालाओं में गायों की पूजा हुई और शोभायात्रा निकाली गई। केंद्रीय गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता एवं संत गोपेश महाराज ने सैकड़ों भक्तों को गो सेवा और गो रक्षा का संकल्प दिलाया। गोभक्त काशी की ओर से बिरदोपुर स्थित काशी विश्वनाथ गोशाला में गोपाष्टमी महोत्सव मनाया गया।

जौनपुर यातायात पुलिस ने जनपद में काटे 1133 वाहनों के चालान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन में यातायात माह नवम्बर 2024 के दौरान शहर के प्रमुख चौराहा/तिराहों पर लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक किया गया तथा प्रवर्तन की कार्यवाही में 1133 वाहनों का चालान किया गया।आज दिनांक 10.11.2024 को पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी यातायात/नगर देवेश सिंह, प्रभारी निरीक्षक यातायात जी0डी0 शुक्ला, व समस्त उप निरीक्षक यातायात के द्वारा यातायात माह नवम्बर 2024 के दौरान शहर के प्रमुख चौराहा तिराहों पर लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक करते हुए सड़क पर वाहनों को खड़ा करके दुर्घटना का कारण बनने व जाम लगाने वाले वाहनों को उनके मालिकों को आगे ऐसा न करने की चेतावनी देते हुये हटवाया गया न हटाने वाले वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की गयी तथा लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट कर यातायात नियमों के बारे में जागरुक किया गया, हेलमेट व सिटबेल्ट लगा करके वाहन चलाने, मोटर साइकिल में तीन सवारी ना बैठाना, हाई स्पीड वाहन न चलाना व वाहनों के शिशों में काली फिल्म न लगानें तथा उससे हो रही दुर्घटनाओं को कम करनें के बारे में जागरूक किया गया और साथ ही काली फिल्म लगाये वाहनों से काली फिल्म उतरवाया भी गया तथा प्रवर्तन की कार्यवाही में 1133 वाहनों का चालान किया गया। यातायात माह में दिनांक:10.11.2024 को की गयी प्रवर्तन की कार्यवाही:-कुल चालान संख्या:-1133 बिना हेलमेट वाहन चलाना:--843 बिना सीट बेल्ट वाहन चलाना:- 48 तीन सवारी वाहन चालाना:- 40 यातायात नियमों का उल्लंघन:- 16 मोबाइल से बात करते हुये वाहन चलाना:- 23 खराब/क्षतिग्रस्त नंबर

प्लेट का प्रयोग:- 11 वाहन में काली फिल्म का प्रयोग:- 0 बिना डी0एल0 वाहन चलाना:- 18 वाहन में प्रेशर हॉर्न का प्रयोग:-1 ओवर स्पीड वाहन चलाना:- 2 नो पार्किंग:- 34 शेष अन्य धारा मे:-97।

नेवढिया पुलिस ने दो वांछित अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मड़ियाहू थानाध्यक्ष अमित कुमार पाण्डेय मय हमराहियान द्वारा आज दिनांक 10.11.24 को मुखबीर की सूचना पर ग्राम नवापुर से मु0अ0सं0 171/24 धारा 115(2)/352/ 351 (2)/126(2)/109(1) इ.ठ.र. व 3(2)वीए एससीएसटी एक्ट से सम्बन्धित अभियुक्त 1. आशीष यादव पुत्र लालधारी यादव निवासी मढी थाना नेवढिया जनपद जौनपुर 2. अजय यादव पुत्र सुबाष यादव निवासी मढी थाना नेवढिया जनपद जौनपुर को सिहोरीवीर नहर पुलिया से गिरफ्तार किया गया तथा अभियुक्त अजय यादव उपरोक्त के निशानदेही पर एक घटना के प्रयुक्त बाँस की लाठी बरामद करते हुए नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गई।

आवास के नाम पर महिलाओं से साढ़े छह हजार की ठगी

मोहम्मद अफजल

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सचिव के नाम पर एक जालसाज ने आवास दिलाने के नाम पर आंगनबाड़ी कार्यकत्री समेत आठ महिलाओं से साढ़े छह हजार रुपये ऐंठ लिया। जानकारी पर होने पर उनके परिजनों ने उसके मोबाइल नंबर पर संपर्क किया तो उसका मोबाइल बंद मिला। ठगी का शिकार होने का आभास होने पर पीड़ित महिलाओं ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है।

क्षेत्र के जमदहां गांव निवासी एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्री शीला यादव, अनीता यादव, सुषमा देवी, मन्जू देवी, चन्द्रावती देवी, पुष्पा यादव, अन्जू यादव, मीना देवी मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर आरोप लगाया है कि आठ नवंबर को उनकी मोबाइल पर 8052165855 नंबर से एक अज्ञात काल आई। काल करने वाले ने अपने को शाहगंज ब्लाक का सचिव संजय सिंह बताया।? कहा कि आप लोगों के नाम से आवास आया है। आवास लेना है तो उसके बताए नंबर पर साढ़े छह हजार रुपए भेज दें। सभी महिलाएं आरोपी जालसाज के झांसे में आकर गांव के एक सहज जनसेवा केंद्र से साढ़े छह हजार रुपए बताएं गए नंबर पर भिजवा दिया।? इसकी जानकारी उनके परिजनों को हुई तो आरोपी जालसाज के नंबर पर संपर्क करने की कोशिश की तो नंबर बंद मिला। तब उन्हें पता चला कि सभी महिलाएं जालसाजी का शिकार हो चुकी हैं। पीड़ित महिलाओं ने जालसाज के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है।

तहसील स्तर पर पदाधिकारियों का हुआ चयन

सगड़ी,आजमगढ़ (उत्तरशक्ति) सगड़ी तहसील केअंतर्गत विक्रम इण्टर कॉलेज मुहम्मदपुर लाटघाट में उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद की तहसील स्तरीय बैठक संपन्न हुई। बैठक में तहसील स्तरीय पदाधिकारीगण का चुनाव किया गया। अध्यक्ष पद पर राकेश कुमार चतुर्वेदी प्रधानाचार्य मोतीलाल नेहरू इंटर कॉलेज रामनगर बैजाबारी , मंत्री पद पर राजीव रंजन गोयल प्रधानाचार्य इंटरमीडिएट कॉलेज कप्तानगंज उपाध्यक्ष पद पर जालंधर कुमार प्रधानाचार्य विक्रम इण्टर कॉलेज लाटघाट तथा रामनकुल प्रधानाचार्य स्मिथ इंटर कॉलेज अजमतगढ़ सर्वसम्मति से निर्वाचित किए गए। आजमगढ़ जिले के उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद का जिला सम्मेलन कराये जाने पर चर्चा हुई चर्चा में सभी सम्मानित प्रधानाचार्य गण द्वारा 13 नवंबर विचार बैठक हेतु एकत्रीकरण की बात पर आम सहमति बनी । इस अवसर पर पूर्व प्रधानाचार्य तथा जिला संरक्षक शिवप्रसाद मिश्र, जिला अध्यक्ष डॉक्टर अजीत सिंह, जिला उपाध्यक्ष अवनीश कुमार यादव, जिला मंत्री देवेंद्र नाथ पांडे, जिला मीडिया प्रभारी डॉक्टर राम जनम दूबे, विजय कुमार,लालता प्रसाद सिंह समेत अनेकों प्रधानाचार्य गण मौजूद रहे। पूर्व अध्यक्ष सूर्यप्रकाश यादव ने नव निर्वाचित अध्यक्ष का माल्यार्पण कर स्वागत किया। डॉक्टर अजीत कुमार सिंह ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए आगामी शैक्षणिक संगोष्ठी/ जिला सम्मेलन को सफल तरीके से संपन्न कराए जाने पर जोर दिया। प्रधानाचार्य जालंधर कुमार द्वारा जलपान की उत्तम व्यवस्था की गई थी।

स्नेहा दुबे का वसईए में प्रचार जोरों पर

नालासोपारा। 133 वसई विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान में प्रत्याशी स्नेहा दुबे का एवरशाइन हार्मनी सोसायटी में घर-घर जाकर मतदाताओं से मुलाकात की। इस अवसर पर सोसायटी के निवासियों ने बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया साथ ही उपस्थित लोगों से कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। दैनिक जीवन में आने वाली समस्याओं पर संवाद एवं मार्गदर्शन किया। जिसमें पेयजल समस्या, लोड शेडिंग, अपर्याप्त स्वास्थ्य व्यवस्था, शिक्षा की दुर्दशा, पर्यटन, परिवहन, कचरा प्रबंधन जैसी कई महत्वपूर्ण समस्याओं का समाधान कर एक विकसित गांव और अपनी आने वाली पीढ़ियों के उज्जवल भविष्य के लिए ₹कमल का बटन दबाएं₹ 20 नवंबर को लोटस" साइन करें और बदलाव करने की अपील की। इस कार्यक्रम मे गौरी प्रिया, सचिव परेश कारिया, विनोद नायर, महेश मिश्रा, गोविंद फड़नवीस एवं अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्ता, समर्थक एवं नगरवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे तथा वरिष्ठजनों का आशीर्वाद प्राप्त किया और जीत दीलाने का वादा किया। वसई रोड मंडळ के अध्यक्ष महेश सरवणकर, युवा मोर्चा अध्यक्ष कल्पेश पांडे, दीपक शर्मा, चेतन पागे, अर्जुन इंगोले सभी ने सब जगाह घर घर गळी जाकर प्रत्याशी स्नेहा दुबे को जिताने का प्रयत्न कर रहे है।

पुलिस ने एक पीकअप गाड़ी, 07 गोवंश के साथ एक शातिर पशु तस्कर गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर ,डॉ0 अजय पाल शर्मा द्वारा अपराध व अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे। अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी बदलापुर के निकट पर्यवेक्षण में तथा थानाध्यक्ष महाराजगंज ओमप्रकाश पाण्डेय के कुशल नेतृत्व में आज दिनांक 10 नवंबर 2024 को थाना महाराजगंज द्वारा अभियुक्त फत्ते पुत्र अनिल ग्राम रमगढा थाना आसपुर देवसरा जिला प्रतापगढ उम्र 20 वर्ष को बनकट भरथी मोड के जियालाल तिवारी के बाग बहद ग्राम सरायपरशुराम पश्चिम से एक मैक्स पिकअप बिना रजिस्ट्रेशन नं0 पर कुल 07 छुट्टा गोवंश तीन गाय व चार साड़ के साथ गिरफ्तार किया गया। रात्रि व अंधेरे का फायदा उठाकर चालक व अन्य अपराधी बोलेरो पिकप की चाभी लेकर भागने में सफल रहे। बाद गिरफ्तारी, अभियुक्तगण के विरूद्ध थाना महाराजगंज पर मु0अ0सं0 178/2024 धारा 3/5अ/8 गोवध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रुरता निवारण अधिनियम पंजीकृत किया गया। अभियुक्त को जेल भेजने हेतु न्यायालय रवाना किया गया।

कैंसर पर जीत के लिए वैश्विक विशेषज्ञ आए एक साथ

मुंबई में संपन्न हुआ अपोलो कैंसर कॉन्क्लेव 2024

नवी मुंबई। अपोलो कैंसर सेंटर, नवी मुंबई द्वारा आयोजित अपोलो कैंसर कॉन्क्लेव का 7वां एडिशन 8 से 10 नवंबर तक सपन्न हुआ इसमें अग्रणी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के 400 से अधिक फैकल्टी, कैंसर देखभाल विशेषज्ञ और रिसर्चर सहित 2,000 से अधिक ऑन्कोलॉजिस्टने भाग लिया। यह कार्यक्रम कैंसर देखभाल में नवीनतम प्रगति और नवाचारों पर चर्चा करने, आधुनिक उपचारों से लेकर सटीक ऑन्कोलॉजी तक के विकसित परिदृश्य पर चर्चा करने पर केंद्रित था। स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र के प्रोफेशनल्स के लिए पैनल चर्चा, कार्यशालाओं और रिसर्च प्रेजेंटेशन में भाग लेने के लिए यह एक प्रभावशाली मंच है। इसमें मुख्य भाषण और कई सत्रों में कैंसर देखभाल के पहले से चले आ रहे उपचारों और प्रबंधन रणनीतियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गयी। डॉ.एलिसाबेत वीडरपास, निर्देशक-इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (IARC), विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा, ह्लक्अफ्ळ के 2022 के अनुमानों से पता चलता है कि दुनिया भर में कैंसर का बोझ 2022 में 20 मिलियन नए मामलों से बढ़कर 2050 तक 35 मिलियन हो जाने का अनुमान है। भारत में 2022 में कैंसर के 1.41 मिलियन नए मामले आए थे, यह आंकड़े बढ़कर 2050 में 2.69 मिलियन होने की उम्मीद है। इस खतरनाक अनुमान के साथ, रोकथाम कैंसर महामारी के लिए बहुत ही जरूरी बन गई है। अपोलो कैंसर कॉन्क्लेव 2024 जैसी पहल स्थानीय विशेषज्ञों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए एक प्रभावशाली मंच प्रदान करती है। क्अफ्ळ में, हमारा लक्ष्य है एक ऐसी दुनिया बनाएं, जहां कैंसर के मामलें कम से कम हो। इसके लिए रोकथाम और बीमारी की जल्द से जल्द पहचान में सक्रिय, सबूतों पर आधारित नीतियों की आवश्यकता है। और हमारे सामूहिक मिशन को मजबूत करने का एक उल्लेखनीय अवसर है। दिनेश माधवन, अध्यक्ष, ग्रुप ऑन्कोलॉजी एंड इंटरनेशनल-अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइज लिमिटेड ने कहा,ह्लऑन्कोलॉजी का क्षेत्र लगातार विकसित हो रहा है, दुनिया भर में हो रहे अभूतपूर्व नवाचारों को सभी के सामने लाना महत्वपूर्ण है। कैंसर का जल्द से जल्द पता लगाने में महत्वपूर्ण प्रगति हो रही है। हमारे यहां अच्छी तरह से प्रशिक्षित चिकित्सकों और अत्याधुनिक तकनीकों के साथ, हम ऑन्कोलॉजी क्षेत्र को नया रूप देने के लिए प्रयासशील हैं। आज, कैंसर देखभाल का मतलब व्यापक, 360-डिग्री सहायता प्रदान करना है। कैंसर प्रबंधन और उपचार में तकनीकी प्रगति के साथ तालमेल रखते हुए, अपोलो कैंसर सेंटर इस परिवर्तनकारी सफर में सबसे आगे है, जो 147 देशों में 3.5 बिलियन लोगों की सेवा कर रहा है। डॉ.अनिल डीक्रूज, निर्देशक-ऑन्कोलॉजी, अपोलो हॉस्पिटल्स नवी मुंबई ने कहा,अपोलो कैंसर कॉन्क्लेव दुनिया भर के ऑन्कोलॉजी समुदाय के लिए एक बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम बन गया है। यह सम्मेलन कैंसर देखभाल में परिवर्तन लाने के लिए समर्पित विचार नेताओं, चिकित्सकों और शोधकताओं को एक साथ लाता है।

नालासोपारा में प्रत्याशी राजन नाईक के प्रचार में निलेमोरे गांव में आज भाजपा का जोरदार प्रचार किया गया। जिसमे ओबीसी मोर्चा जिल्हा अध्यक्ष निलेश राणे के साथ विजय मांडवकर, जितू पाटील, विश्वनाथ पाटील, सचिन, राकेश, सोमनाथ, रवींद्र, अनिल, रुपेश, शिंदे और पदाधिकारी के साथ में प्रचार किया। छायाः उत्तरशक्ति

पवाँरा पुलिस ने भगवान श्री राम को गाली देने वाले बृजेश कुमार को किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना पवाँरा पुलिस ने भगवान श्री राम को गाली देने वाले अभियुक्त बृजेश कुमार को किया गिरफ्तार। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में जनपद मे अपराध के रोकथाम के क्रम में चलाये जा विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी मछलीशहर जौनपुर के कुशल पर्यवेक्षण व उनके कुशल मार्गदर्शन मे उ0नि0 सत्येन्द्र भाई पटेल मय हमराह द्वारा सोशल मीडिया पर भगवान श्री राम के बारे में अभद्र टिप्पणी करने पर तत्काल कार्यवाही करते हुए मु0अ0सं0 184/24 धारा 299 बीएनएस व 67 आई0टी0एक्ट थाना पवारा जनपद जौनपुर पंजीकृत करते हुए अभियुक्त बृजेश कुमार र/ड पारस गौतम ग्राम भसोट थाना पवारा जनपद जौनपुर उम्र

दस आईएएस अधिकारियों के हुए तबादले, मनोज सिंह किए गए प्रतीक्षारत

लखनऊ। प्रदेश के दस आईएएस अधिकारियों के रविवार को तबादले कर दिए गए। वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह को रिटायरमेंट से डेढ़ महीने पहले प्रतीक्षारत कर दिया गया है। उनके विभाग की जिम्मेदारी श्रम एवं सेवायोजन व खनन विभाग के प्रमुख सचिव अनिल कुमार तृतीय को दी गई है।

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डॉ. राजशेखर से नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सचिव पद, पीएम कृषि सिंचाई योजना के स्टेट नोडल आफिसर और उत्तर प्रदेश भूमि सुधार निगम का चार्ज ले लिया गया है। अब उनके पास उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) के प्रबंध निदेशक का पद रह गया है। उनसे लिए गए विभागों की जिम्मेदारी प्रमुख सचिव सिंचाई एवं संसाधन अनिल गर्ग को सौंपी गई है।

इसी तरह रवि रंजन से उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम और यूपी एग्रो के प्रबंध निदेशक की जिम्मेदारी ले ली गई है। यूपी इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन के पद पर वह यथावत रहेंगे। राज्य पर्यटन विकास निगम के एमडी पर प्रतीक्षारत चल रहीं सान्या छाबड़ा को भेजा गया है। वहीं नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की विशेष सचिव व जल निगम की संयुक्त प्रबंध निदेशक प्रणता ऐश्वर्या से ये विभाग लेकर यूपी एग्रो का एमडी बनाया गया है।

खाद्य एवं रसद विभाग के विशेष सचिव और विधिक बांट-माप विज्ञान के नियंत्रक प्रभाष कुमार को नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग और संयुक्त प्रबंध निदेशक जल निगम (ग्रामीण) दिया गया है। आवास एवं शहरी नियोजन विभाग में विशेष सचिव उदय भानु त्रिपाठी को नगर विकास विभाग में विशेष सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। आगरा मंडल में अपर आयुक्त डॉ. कंचन सरन को राज्य महिला आयोग का सचिव बनाया गया है।

जौनपुर :परमार्थ करने वाले पथिक की ही गायी जाती है कीर्ति : प्रेमभूषण महाराज

ज्ञान प्रकाश सिंह जैसे धर्मार्थी के बुलावे पर मैं जौनपुर आया अपना लोक-परलोक दोनों सुधार सकता है मनुष्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बीआरपी इण्टर कॉलेज के मैदान में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह के पावन संकल्प से प्रायोजित सात दिवसीय रामकथा के पहले दिन अंतरराष्ट्रीय कथावाचक प्रेमभूषण जी महाराज ने कहा कि जगत के हर जीव में भगवान का वास है लेकिन मनुष्य नामक प्राणी को जो भी शरीर प्राप्त है वह अपने आप में अद्भुत है। इस शरीर के माध्यम से मनुष्य अपना लोक और परलोक दोनों ही सुधार सकता है किसी अन्य जीव के लिए यह संभव नहीं है। मनुष्य को छोड़ बाकी के 84 लाख योनियों को भोग योनी कहा गया है। इनके लिए अपने कर्म का कोई बंधन नहीं होता है लेकिन मनुष्य जो भी कर्म करता है वह उसी के फल से जीवन भर प्रभावित रहता है। कथा शुरू करने से पहले उन्होंने कहा कि जौनपुर का यह सौभाग्य है कि ज्ञान प्रकाश सिंह जैसा धर्मार्थी और परमार्थ करने वाले व्यक्ति के बुलावे पर मैं पहली बार जौनपुर में रामकथा सुनाने के लिए आया हूं। महाराज जी ने अपने मुखारबिंदु से वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह की प्रशंसा की। जौनपुरवासियों का सौभाग्य है कि इस तरह की रामकथा सुनने को मिल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि रामकथा को जिस रूप में श्रवण करेंगे उसी रूप में आपको उसका सफल मिलेगा। उन्होंने कहा कि मनुष्य अपने जीवन में छीन झपट करके चाहे जितना पूंजी इकट्ठा कर ले संसार की कोई वस्तु उसके साथ नहीं जाती है केवल परमार्थ, सत्कर्म और पुण्य ही साथ जाता है। परमार्थ यात्रा के पथिक की ही कीर्ति गायी जाती है। महाराज जी ने कहा कि सतमार्ग पर चलकर धन अर्जित करने वाले लोग ही शाश्वत सुख की प्राप्ति कर पाते है। छल प्रपंच से धन अर्जित किया जा सकता है लेकिन उससे सुख की प्राप्ति कदापि संभव नहीं है। अधर्म के पथ पर चलकर धन अर्जित करने वाले जीवन में कभी सुखी नहीं हो सकते है। दूसरों को वो दूर से सुखी दिखते हैं लेकिन वास्तव में वो सुखी नहीं होते है। अगर उनके दिल का हाल जाना जाए तो पता चलता है कि उनकी दुख की कोई सीमा नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर हमारे घर में जीवित माता-पिता है तो वहीं हमारे भगवान हैं। माता-पिता की सेवा करके वो हम सब प्राप्त कर सकते हैं जो हम भगवान से चाहते हैं। रामचरित मानस में यह बताया गया है कि माता-पिता, गुरु और अपने से बड़ों की आज्ञा मानने वाले सदा ही सुखी रहते हैं। पूज्य महाराज ने कहा कि मनुष्य के जीवन में पूजा-पाठ भजन क्यों आवश्यक है? जब मनुष्य धर्म कार्यों में पूजा-पाठ में संलग्न हो जाता है तो उसके जीवन से भय खासकर मृत्यु का भय बिल्कुल समाप्त हो जाता है क्योंकि वह धीरे-धीरे ईश्वर के निकट पहुंचने लगता है। पूज्य महाराज जी ने कहा कि भगवान को केवल प्रेम और केवल प्रेम ही प्यारा है। बार-बार मानस जी में इसकी चर्चा आयी है। भोले शंकर और सती के प्रसंग को भी उन्होंने बड़े मार्मिक ढंग से चित्रण किया। कहा कि भोले शंकर के मना करने के बाद भी सती राम की परीक्षा लेने के लिए गईं लेकिन जाने के बाद भी जब वापस आयी तो भोले शंकर ने पूछा कि आपने परीक्षा ले लिया तो उन्होंने उनसे झूठ बोला लेकिन भोले शंकर अपने तीसरे नेत्र से सबकुछ पहले ही जान लिए थे वहीं सती का त्याग कर ध्यानमग्न हो गए। पूज्य महाराज ने कहा कि किसी को दर्पण नहीं दिखाना चाहिए दर्पण स्वयं देखना चाहिए। कहा कि संसार में संतोष से बड़ा कोई सुख नहीं है क्योंकि जितना भी आपके पास होगा कम ही नजर आता है। संसार से साथ में कुछ नहीं जाता है सिर्फ परमार्थ और पुण्य ही जाता है। यह कार्यक्रम सेवा भारती के बैनर तले चल रहा है। इस मौके पर काशी प्रांत के प्रांत प्रचारक रमेश, विभाग प्रचारक जौनपुर अजीत, प्रांत प्रचारक प्रमुख रामचंद्र, सेवाभारती के अध्यक्ष डॉ. तेज सिंह, प्रांत शारीरिक प्रमुख संतोष, प्रांत कार्यवाह मुरली पाल, डॉ. वेदप्रकाश, सुरेश, पूर्व डीजीपी राजकुमार विश्वकर्मा, डॉ. तेज सिंह, माउंट लिट्रा जी स्कूल के डायरेक्टर अरविंद सिंह, आयोग के सदस्य डॉ. आरएन त्रिपाठी, डॉ. बीएस उपाध्याय, टीडीपीजी कॉलेज के प्रबंधक राघवेंद्र प्रताप सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता वीरेंद्र सिंह, राजेश सिंह, शिक्षक नेता अमित सिंह,रियाजुल समाजसेवी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों के साथ बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों के साथ बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक के दौरान सर्वप्रथम स्वागत के साथ उपस्थित अधिकारियों एवं प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों का परिचय सत्र हुआ। प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों को विभिन्न विषयों के संदर्भ में सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा संक्षिप्त में जानकारी दी गई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा सभी प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों को जनपद जौनपुर के ऐतिहासिक, भौगोलिक, शैक्षिक, धार्मिक स्थिति आदि के विषय में उन्हें जानकारी दी गई और बताया गया कि जनपद जौनपुर में असीम संभावनाएं हैं प्रशिक्षण के दौरान इन्हें जनपद से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। इसके साथ ही कार्य के दौरान समयबद्धता अति आवश्यक है। ग्रामीण स्तर पर अभी भी समस्याएं बनी हुई है सभी प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी सेवा की भावना से कार्य करें। इस पद पर रहकर सेवा करने की असीमित संभावनाएं हैं। उन्होंने सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम ने भी अपने अनुभवो को साझा किया। बैठक के दौरान सभी प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार ,परियोजना निदेशक केके पांडेय ,जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला पिछड़ा कल्याण वर्ग अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कल्याणी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा छठ पूजा का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कल्याणी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा छठ पूजा का आयोजित घाटकोपर पूर्व साई निवारा परिसर में किया गया। जिसमें सभी छठ व्रतियों की सारी सुविधाओं का काफी ध्यान रखा गया। छठ व्रतियों के साथ छठ पूजा को देखने और इसको समझने के लिए काफी मात्रा में महिलाएं भी आती हैं। इस कार्यक्रम के दौरान महिलाओं की काफी भीड़ देखी गई और भारी उत्साह व विधि विधान के साथ पूजा करते देखा गया। इसी छठ आयोजन कार्यक्रम के दौरान कन्या पूजन का भी सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था व कन्याओं को उपहार भी दिए गए। सामाजिक समरसता को ध्यान में रखते हुए इसी कार्यक्रम के दौरान हल्दी कुमकुम का भी कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कल्याणी चैरिटेबल ट्रस्ट सूर्योदय के बाद छठव्रतीयों को नारियल पानी व उपहार देकर उनसे सभी पधाधिकारियों ने आशीर्वाद लिया। यह दृश्य देखकर काफी प्रसन्नता की अनुभूति हुई। यह ट्रस्ट धर्म के प्रति कितना जागरुक है छठ कार्यक्रम के दौरान बड़ी जिम्मेदारी के साथ तीन राज्यों के लोगों के बीच सामाजिक समरसता को स्थापित करने के लिए व सबका मेलजोल बढ़ाने के लिए इस प्रकार यह एक अनोखा प्रयोग किया गया। सभी छठव्रतियों को उपहार आदि भेट सामग्री प्रदान की गयी। कल्याणी चैरिटेबल संस्था के मार्ग दर्शक प्रेम नाथ दुबे चाचा, शोभा सेठ, रमेश सेठ, पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक राय, उमेश गुप्ता, पुणे विद्या भवन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ अजय कुमार पाठक, प्रवीण छेड़ा, रवि पुंज, अजय सिंह व अनेक गण मान्यजन उपस्थित थे। आयोजकों मे प्रमुख रुप से अध्यक्ष अजय बागल, संजीव त्रिपाठी, मनोज सिंह, सुनील सिंह, धर्मेंद्र गिरी, दिलीप सिंह, हरिंदर यादव, संतोष पाठक उपस्थित रहे। माताओ बहनो के मनोरंजन के लिए प्रमुख रूप से भजन संध्या का आयोजन किया गया था। जिसमे शिवनारायण गिरी व उनकी टीम ने जोरदार प्रस्तुति की। जिस पर जम कर महिलाओं ने नृत्य किया व कार्यक्रम का भर पूर आनंद लिया। आए हुए सभी छठव्रतियों व मान्यवरों ने कार्यक्रम के आयोजकों की भर पूर सराहना की व आशीर्वाद दिया। आये हुए सभी लोगो का आभार संस्था के अध्यक्ष अजय बागल व समस्त कल्याणी चैरिटबल ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने व्यक्त किया।